WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 275 | लखनऊ, गुरुवार, 24 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

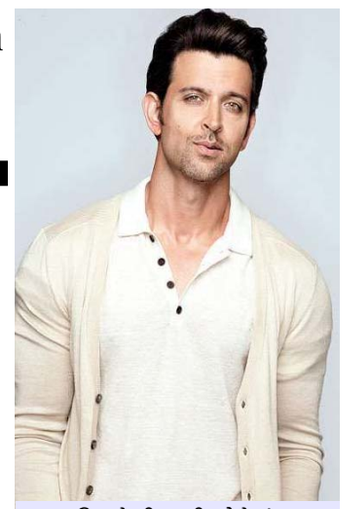

ऋतिक ने की भारतीय बैले डांसर का सपना पूरा करने में मदद

कोरोना पर मोदी की हाई लेवल मीटिंग

7 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हाई लेवल मीटिंग की। उन्होंने महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक समेत सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों एवं स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बातचीत की। इस बैठक में उन राज्यों को शामिल किया गया है, जो कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कोरोना वायरस के तकरीबन 63 फीसदी सक्रिय मामले इन सात राज्यों में हैं। इस बैठक में दिल्ली के अरविंद केजरीवाल, महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी, कर्नाटक के येदियुरप्पा समेत अन्य मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री शामिल हुए। वर्चुअल मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल रहे। देश में कोरोना के कुल पुष्ट मामलों का तकरीबन 65 फीसदी और कुल मृत्यु के 77 फीसदी मामले भी इन्हीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। पंजाब, दिल्ली और अन्य पांच राज्यों में हाल ही में कुल मामलों की संख्या में काफी तेज वृद्धि दर्ज की गई है। महाराष्ट्र, पंजाब और दिल्ली में मृतकों की संख्या भी काफी बढ़ी है। इन राज्यों में मृत्यु दर दो प्रतिशत से अधिक है जो कि मृत्यु दर का उच्च औसत है।

देश में कोरोना के कुल पुष्ट मामलों का तकरीबन 65 फीसदी और कुल मृत्यु के 77 फीसदी मामले भी इन्हीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं

बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने में मदद कर रही केंद्र सरकार बैठक को लेकर मंगलवार को जारी बयान में कहा गया था कि केंद्र सरकार राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रभावी सहयोग और निकट समन्वय के साथ मिलकर कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रही है। केंद्र सरकार उनकी स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार सहायता कर रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स नई दिल्ली के सहयोग से किए गए ई-आईसीयू टेली-परामर्श के माध्यम से आईसीयू का संचालन करने वाले डॉक्टरों की नैदानिक प्रबंधन क्षमताओं को काफी हद तक बेहतर किया गया है।

श्रमिक अधिकारों को सुदृढ़ करने वाले तीन विधयेकों पर संसद की मुहर

नयी दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी दलों की गैर मौजूदगी में राज्यसभा ने श्रमिकों के कल्याण और उनके अधिकारों को मजबूत करने वाले सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 और उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता, विधेयक 2020 बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ इन तीन विधेयकों पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इन्हें पहले ही पारित कर चुकी है। सदन में तीनों विधेयकों की संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि श्रम कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करने की सिफारिश वर्ष 2003-04 में संसदीय समिति ने की थी लेकिन अगले 10 वर्ष 2014 तक इस पर कोई काम नहीं हो सका। वर्ष 2014 में इस दिशा में फिर से काम शुरू हुआ और चार संहिताओं को संसदीय समितियों के पास भेजा गया। इस समिति के 74 प्रतिशत सिफारिशों को इन विधेयकों में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों को नए भारत की जरुरतों के अनुरुप बनाया गया है। श्रमिकों से हड़ताल का अधिकार वापस नहीं लिया गया है। चौदह दिन के नोटिस व्यवस्था विवाद सुलझाने के लिए की गयी है। विवादों के समाधान के लिए पुख्ता व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि संस्थानों के लिए 300 कर्मचारियों की सीमा तय करने से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। प्रवासी मजदूरों की परिभाषा को व्यापक बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों से राज्यों के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं होगा। अपनी परिस्थितियों के अनुसार सभी राज्य इन कानूनों में बदलाव कर सकेंगे।

कई अहम विधेयक पास होने के बाद अब राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा बुधवार को अनिश्चितकालीन समय के लिए स्थगित हो गया। संसद का मॉनसून सत्र अपने निर्धारित समय से करीब आठ दिन पहले ही अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया। छोटी सी अवधि होने के बावजूद राज्यसभा में सत्र के दौरान 25 विधेयकों को पारित किया गया, जबकि हंगामे के कारण आठ विपक्षी सदस्यों को रविवार को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। सभापति एम वेंकैया नायडू ने सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में कहा कि यह सत्र कुछ मामलों में ऐतिहासिक रहा क्योंकि इस दौरान उच्च सदन के सदस्यों को बैठने की नई व्यवस्था के तहत पांच अन्य स्थानों पर बैठाया गया। ऐसा उच्च सदन के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। इसके अलावा सदन ने लगातार दस दिनों तक काम किया। शनिवार और रविवार को सदन में अवकाश नहीं रहा। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान 25 विधेयकों को पारित किया गया या लौटा दिया गया। इसी के साथ छह विधेयकों को पेश किया गया। सत्र के दौरान पारित किए गए विधेयकों में कृषि क्षेत्र से संबंधित तीन महत्वपूर्ण विधेयक, महामारी संशोधन विधेयक, विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक, जम्मू कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक शामिल हैं। नायडू ने बताया कि इस सत्र के दौरान 104.47 प्रतिशत कामकाज हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर व्यवधान के कारण जहां सदन के कामकाज में तीन घंटों का नुकसान हुआ वहीं सदन ने तीन घंटे 26 मिनट अतिरिक्त बैठकर कामकाज किया। उन्होंने कहा कि पिछले चार सत्रों के दौरान उच्च सदन में कामकाज का कुल प्रतिशत 96.13 फीसदी रहा है।

मनीष सिसोदिया अस्पताल में भर्ती, 14 सितंबर को हुई थी कोरोना की पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बुखार और ऑक्सीजन लेवल कम होने की शिकायत के बाद बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिसोदिया के 14 सितंबर को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया कि आप के 48 वर्षीय नेता को बुधवार को दिल्ली सरकार के लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिसोदिया ने कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद से होम आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे थे। कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद मनीष सिसोदिया ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा था, मुझे हल्का बुखार होने के बाद अपना कोविड-19 टेस्ट कराया था। रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं सेल्फ आइसोलेशन में चला गया हूं। अभी तक, मुझे बुखार या कोई अन्य समस्या नहीं है। मैं ठीक हूं।

देश में लगातार पांचवें दिन स्वस्थ होने वालों की संख्या नये मामलों से अधिक

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में लगातार पांचवें दिन कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या संक्रमण के नये मामलों से अधिक रही और पिछले 24 घंटों के दौरान 89 हजार से अधिक लोगों ने इस महामारी को मात दी, जिससे सक्रिय मामलों में और गिरावट दर्ज की गयी तथा यह महज 17.15 प्रतिशत रह गये। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 89,746 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 45,87,614 हो गयी है। इससे पहले शनिवार को 95,880, रविवार को 94,612, सोमवार को 93,356 और मंगलवार को 1,01,468 लोग स्वस्थ हुए थे। संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या में 7,484 की कमी आयी है और अब यह 9,68,377 रह गयी है। सक्रिय मामले शनिवार को 3790, रविवार को 3140, सोमवार को 7525 और मंगलवार को 27,438 कम हुए थे। पिछले 24 घंटे में 83,347 मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 56,460,11 पर पहुंच गयी है। इसी अवधि में 1,085 मरीजों की मौत हो गयी जिससे संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 90 हजार का आंकड़ा पार कर 90,020 पर पहंच गयी है। रोगमुक्त होने वालों की दर 81.25 प्रतिशत हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 17.15 प्रतिशत तथा मृत्यु दर 1.59 फीसदी है। देश के 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इनमें सबसे अधिक 3,053 और लद्दाख में सबसे कम 19 की कमी आयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 2,208 कम होकर 2,72,809 रह गये हैं जबकि 392 लोगों की और मौत होने से मृतकों की संख्या 33,407 हो गयी है। इस दौरान 20,206 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 9,36,554 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 2,182 की कमी हुई है और राज्य में अब 93,172 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 8,228 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,32,450 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 3,053 कम होने से सक्रिय मामले 71,465 रह गये।

संसद के बाद अब सड़क पर हल्लाबोल की तैयारी में विपक्ष

नयी दिल्ली, एजेंसी। कृषि बिल के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार से आर पार की मूड में है. संसद के बाद पार्टी अब सड़क पर भी सरकार के खिलाफहल्लाबोल करने की तैयारी में है. इसको लेकर आज पार्टी नेता गुलाम नबी आजाद के घल पल बैठक हो रही है, जिसमें सरकार को घेरने की रणनीति भी बनेगी,बताया जा रहा है कि विपक्षी नेताओं के साथ एकजुट होकर कांग्रेस राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेगी. ज्ञापन में ही विपक्ष के द्वारा कृषि बिल को राज्यसभा में फिर से भेजने की मांग की जाएगी. बता दें कि 20 सितंबर को राज्यसभा में सरकार नै कृषि बिल पास कराया था, वहीं राहुल गांधी ने पड़ोसी देशों से रिश्तों को लेकर सरकार पर हमला बोला है. राहुल ने कहा कि पड़ोसी के बिना रहना असंभव है. हमें पडोसियों को दोस्त बनाना चाहिए. राहुल का यह ट्वीट चीन, नेपाल और पाकिस्तान से विवाद के बीच आया है, वहीं कांग्रेस पार्टी देशभर में दो लाख पोस्टकार्ड बांटेगी, जिसपर किसानों का हस्ताक्षर होगा।

गहलोत ने प्रदेश की प्रथम भूमिगत मेट्रो का किया लोकार्पण

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की प्रथम भूमिगत मेट्रो रेल चांदपोल से बड़ी चौपड़ का आज यहां लोकार्पण किया। श्री गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जयपुर मेट्रो चरण (प्रथम) बी के तहत चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक बनी भूमिगत जयपुर मेट्रो का लोकार्पण किया। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर मेट्रो रेल को रवाना किया और भूमिगत मेट्रो रेल की शुरुआत की। इस अवसर पर श्री गहलोत ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि आज का दिन इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रास्ते में मंदिरों के होने से लोगों की धार्मिक भावना का ध्यान रखना एवं विरासत को बचाते हुए यहां भूमिगत मेट्रो रेल के लिए काम करना काफी चुनौतीपूर्ण था। लेकिन जनता की भावनाओं का ध्यान रखते हुए काम किया गया और इसमें व्यापारियों एवं लोगों ने साथ दिया और दिल्ली मेट्रो रेल की सहायता से इस काम को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि इस भूमिगत मेट्रो रेल का काम ढाई साल में पूरा होने की उम्मीद थी लेकिन सरकार के बदल जाने के कारण इसमें विलंब हुआ। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के सहारे तमाम सावधानी बरती गई और इस चुनौतीपूर्ण काम में बिना किसी दुर्घटना एवं नुकसान के काम पूरा हुआ और यह विश्व स्तरीय मेट्रो रेल बनी है। जयपुर मेट्रो प्रथम बी का शिलान्यास सितंबर 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह ने किया था। उन्होंने कहा कि जयपुर से बड़े अन्य शहरों से पहले इसका काम शुरु हुआ और काम पूरा भी कर लिया गया। उन्होंने कहा कि जयपुर में जब पहले चरण में रेल बनी तब उनकी आलोचना हुई थी और कहा गया था कि यह महंगा और घाटे का सौदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें यह घाटे नफा नहीं देखा जाता। यह सरकार की सामाजिक जिम्मेदारी है। श्री गहलोत ने कहा कि राजधानी में सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक 22 किलोमीटर लम्बा मेट्रो रेल का सपना भी है और इसके प्रति भी उनका ध्यान है। कोरोना के चलते इसमें भी विलंब हो रहा है और वह चाहेंगे कि इसे भी शुरु किया जाये।

टाइम की लिस्टः मोदी दुनिया के 100 सबसे असरदार लोगों में शामिल

नयी दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की टाइम मैगजीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया के 100 सबसे असरदार लोगों की लिस्ट में शामिल किया है। लेकिन, कई तीखे कमेंट भी किए हैं। टाइम के एडिटर कार्ल विक ने लिखा है कि भारत की 1.3 अरब की आबादी में ईसाई, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, जैन और दूसरे धर्मों के लोग शामिल हैं। नरेंद्र मोदी ने इन्हें संशय में डाल दिया है। विक लिखते हैं, भारत के ज्यादातर प्रधानमंत्री हिंदू समुदाय (देश की 80त्न आबादी) से रहे हैं, लेकिन सिर्फ मोदी इस तरह काम कर रहे हैं जैसे उनके लिए कोई और मायने ही नहीं रखता। मोदी एम्पावरमेंट के वादे के साथ सत्ता में आए। उनकी हिंदू राष्ट्रवादी भाजपा ने न सिर्फ एलीटिज्म, बल्कि प्लूरलिज्म को भी खारिज कर दिया। इसमें खासतौर से मुसलमानों को टारगेट किया गया। विरोध को दबाने के लिए महामारी का बहाना मिल गया और इस तरह दुनिया का सबसे वाइब्रेंट लोकतंत्र अंधेरे में चला गया। आयुष्मान खुराना अकेले भारतीय एक्टर हैं, जिन्हें इस साल टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में जगह मिली है। उनके लिए दीपिका पादुकोण ने लिखा है कि आयुष्मान उन कैरेक्टर्स में भी बहुत अच्छी तरह ढल गए जो बहुत स्टीरियोटाइप समझे जाते हैं। उन्होंने कई यादगार फिल्में दी हैं। नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ दिल्ली के शाहीन बाग में हुए प्रदर्शन में शामिल रहीं 82 साल की बिल्किस बानो को भी टाइम की लिस्ट में जगह दी गई है। पत्रकार राणा अय्यूब ने उनके बारे में लिखा है कि बिल्किस एक हाथ में तिरंगा थामे और दूसरे हाथ से माला जपती हुई सुबह 8 बजे से लेकर रात 12 बजे तक धरने पर बैठी रही थीं। उनके बारे में कहा गया है कि भारत से आकर अमेरिका में काम करने और 1 ट्रिलियन डॉलर की कंपनी का सीईओ बनने तक की उनकी कहानी खास है।

वित्तीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण द्विपक्षीय नेटिंग विधेयक पर संसद की मुहर

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में वित्तीय स्थिरता को मजबूती प्रदान करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे अर्हित वित्तीय संविदा द्विपक्षीय नेटिंग विधेयक को आज राज्यसभा ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष की गैर मौजूदगी में विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह विधेयक देश में वित्तीय स्थिरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विधेयक दो पक्षों के बीच द्विपक्षीय नेटिंग के लिए मजबूत कानूनी आधार का प्रावधान करता है। उनके जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ ही इस पर संसद की मुहर लग गयी क्योंकि लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। विपक्ष आठ सदस्यों के निलंबन और कृषि सुधार विधेयकों में संशोधन की मांग को लेकर मंगलवार से ही कार्यवाही का बहिष्कार कर रहा है। मंगलवार को पहले राज्यसभा में सरकार ने विपक्ष की गैर मौजूदगी में सात विधेयक पारित कराये और इसके बाद लोकसभा में भी विपक्ष की गैर मौजूदगी में विधेयक पारित किये गये। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के साथ साथ तृणमूल कांग्रेस , समाजवादी पार्टी , वाम दल , द्रमुक , राजद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, आम आदमी पार्टी, आई यूएमएल, जनता दल एस जैसे विपक्षी दलों के सदस्य सत्र का बहिष्कार कर रहे हैं। इसके अलावा शिरोमणि अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी के सदस्य भी विधेयक पारित होने के समय सदन में नहीं थे। सदन में भाजपा के अलावा बीजू जनता दल, तेदेपा, अन्नाद्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी , जनता दल यू और आर पीआई के सदस्य मौजूद थे। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि देश में बहुपक्षीय वित्तीय अनुबंधों के संबंध में कानूनी प्रावधान हैं उन्होंने कहा कि देश में द्विपक्षीय डेरिवेटिव अनुबंधों की राशि मार्च 2018 के अनुसार 56 लाख 33 हजार 257 करोड़ थी जो देश के कुल वित्तीय अनुबंध का 40 प्रतिशत है। इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यह विधेयक कितना जरूरी है।

दीपिका, सारा, श्रद्धा और रकुल को एनसीबी का समन

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुशांत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में बॉलीवुड की कई एक्ट्रेस के नाम सामने आ रहे हैं। ड्रग्स चैट से जुड़ी जांच के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बुधवार को दीपिका पादुकोण, श्रद्धा कपूर, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह को समन जारी कर दिया। एनसीबी के सूत्रों के मुताबिक, गोवा में शूटिंग कर रहीं दीपिका को पूछताछ के लिए 25 सितंबर को बुलाया जाएगा। रकुल प्रीत सिंह को 24 सितंबर, श्रद्धा कपूर और सारा अली खान को 26 सितंबर को पेश होना होगा। एनसीबी की टीम ने श्रद्धा और सारा अली को घर जाकर समन दे दिया है। दीपिका पादुकोण और उनकी मैनेजर करिश्मा प्रकाश के बीच 28 अक्टूबर 2017 को वॉट्सऐप पर हुई बातचीत सामने आई थी। इसमें दीपिका 'hash' और 'weed' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रही हैं। प्रतिबंधित ड्रग्स से जुड़ी भाषा में hash का इस्तेमाल हशीश के लिए होता है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ड्रग्स केस में पहले से गिरफ्तार रिया चक्रवर्ती ने श्रद्धा, सारा, रकुल और फैशन डिजाइनर सिमोन खम्बाटा समेत बॉलीवुड के 25 सेलेब्रिटीज के नाम एनसीबी को बताए थे। इस वजह से श्रद्धा, सारा, रकुल प्रीत सिंह को भी एनसीबी ने समन भेजा है। उधर, ड्रग्स मामले में गिरफ्तार रिया चक्रवर्ती ने मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में जमानत की अर्जी लगाई थी। सुनवाई के लिए बुधवार का दिन तय हुआ था, लेकिन आज सुनवाई नहीं हो पाई। क्योंकि, मुंबई में तेज बारिश के चलते सड़कों पर पानी जमा हो गया है। ऐसे में हाईकोर्ट में छुट्टी कर दी गई। रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने बताया कि अब गुरुवार को सुनवाई होगी। 16 दिन से जेल में बंद रिया की जमानत अर्जी स्पेशल कोर्ट (NDPS) ने 2 बार खारिज कर दी थी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग्स कनेक्शन की जांच कर रहे NCB ने 8 सितंबर को रिया को गिरफ्तार किया था। अगले दिन उन्हें भायखला जेल में शिफ्ट कर दिया था। रिया पर आरोप हैं कि वे ड्रग्स पैडलर्स के कॉन्टैक्ट में थीं, सुशांत के लिए ड्रग्स भी अरेंज करती थीं। भायखला जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंगलवार को रिया की पेशी हुई थी। स्पेशल कोर्ट ने उनकी ज्यूडिशियल कस्टडी 6 अक्टूबर तक बढ़ा दी। ऐसे में अब रिया को हाईकोर्ट से उम्मीद है। रिया के साथ उनके भाई शोविक की ने भी हाईकोर्ट में जमानत अर्जी लगाई है। रिया और शोविक के साथ ही सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा, हेल्पर दीपेश सांवत और कई ड्रग्स पैडलर समेत 20 लोगों को NCB ने गिरफ्तार किया है। मिरांडा, सावंत और ड्रग्स पैडलर अब्दुल बासित परिहार की जमानत अर्जियां स्पेशल कोर्ट से खारिज होने के बाद इन्होंने हाईकोर्ट में अपील की थी। इनकी अर्जियों पर हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 29 सितंबर को है।

मोदी और शाह ने दिनकर को जयंती पर किया नमन

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर को उनकी जयंती पर स्मरण और नमन करते हुए कहा उनकी कालजयी कविताएं साहित्य प्रेमियों को ही नहीं, बल्कि समस्त देशवासियों को निरंतर प्रेरित करती रहेंगी। ज्ञानपीठ पुरस्कार, पद्म भूषण और साहित्य अकादमी जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित राष्ट्रकवि दिनकर की आज 112वीं जयंती है। श्री मोदी ने राष्ट्रकवि को स्मरण कर कहा, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उनकी कालजयी कविताएं साहित्यप्रेमियों को ही नहीं, बल्कि समस्त देशवासियों को निरंतर प्रेरित करती रहेंगी। उनकी कालजयी कविताएं साहित्यप्रेमियों को ही नहीं, बल्कि समस्त देशवासियों को निरंतर प्रेरित करती रहेंगी। श्री शाह ने कहा, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी अपनी उपाधि के अनुरूप साहित्य जगत में अपने लेखन के माध्यम से एक सूरज की भाँति चमके।

दिल्ली कूच कर रहे किसानों को रोका गया

आंसू गैस के गोले छोड़े गये, किसानों ने किया भारत बंद का ऐलान

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा समेत देश के कई हिस्सों में किसान कृषि बिल का विरोध कर रहे हैं. अब भारतीय किसान यूनियन और अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति ने 25 सितंबर को भारत बंद का ऐलान कर दिया है, इस बिल को वापस लेने की मांग हो रही है. कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन हो रहा है. हरियाणा के पानीपत में दिल्ली कूच कर रहे किसानों को रोकने की कोशिश की गयी. हरियाणा पुलिस ने इन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार भी किसानों पर की गयी. विरोध प्रदर्शन में उग्र हुए कई किसानों को हिरासत में भी ले लिया गया,इस बिल का विरोध कर रहे किसानों ने इस वारंट को डेथ वारंट करार दिया. किसानों ने कहा, किसी भी कीमत को हम इस कानून को लागू नहीं होने देंगे. जिस तरह किसान पहले अपनी फसल बेचता था, खेती करता था उससे खुश है. किसानों ने आरोप लगाया कि इस नयी बिल के माध्यम से उनकी जमीनों पर बड़े कारोबारियों को कब्जा हो जायेगा. वह अपने कारोबार के आधार पर खेती करेंगे मुनाफा का कुछ हिस्सा ही जमीन के मालिक और किसानों को मिलेगा. किसानों का आरोप है कि सरकार इस बिल के माध्यम से बड़े उद्योगपतियों की मदद कर रही है, प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा, हमें डर है कि अभी हम जितना कमा रहे हैं उतना भी नहीं कमा पायेंगे. बड़े उद्योगपति हमसे कम कीमत पर फसल खरीदेगे और बड़े बाजार में बेचेंगे. भारतीय किसान यूनियन और अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति ने 25 सितंबर को भारत बंद का ऐलान किया है। प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा, इस बिल का विरोध देशभर में हो रहा है किसान एकजुट हैं।

योगी ने हाई रिस्क ग्रुप को लक्षित करते हुए ज्यादा से ज्यादा कोविड-19 के टेस्ट कराने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने हाई रिस्क ग्रुप को लक्षित करते हुए ज्यादा से ज्यादा कोविड-19 के टेस्ट कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि हाई रिस्क ग्रुप का आर0टी0पी0सी0आर0 टेस्ट किया जाए। इससे कोरोना के प्रसार को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों में इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर पूरी सक्रियता के साथ संचालित किए जाएं। जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतिदिन बैठक कर स्थिति की समीक्षा और आगे की रणनीति तय करें। यह बैठक सुबह कोविड अस्पताल में तथा शाम को इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में आहूत की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर सर्वे कार्य तेजी से संचालित किया जाए। सर्वे के दौरान पल्स ऑक्सीमीटर के माध्यम से लोगों के ऑक्सीजन स्तर की जांच की जाए। निर्धारित स्तर से कम ऑक्सीजन वाले व्यक्तियों को अस्पताल भेजकर वहां उनकी विस्तृत जांच एवं आवश्यकतानुसार उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने नॉन-कोविड चिकित्सालयों में कोविड-19 के प्रोटोकॉल के अनुरूप ओ0पी0डी0 सेवा संचालित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सभी सावधानियां बरतते हुए सामुदायिक तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी ओ0पी0डी0 सुविधा प्रारम्भ की जाए। मुख्यमंत्री आरोग्य मेला को शुरू करने के सम्बन्ध में विचार किया जाए। इससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि भी होगी। उन्होंने कोविड-19 के प्रति जनता को जागरूक करने के अभियान को जारी रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निवेश प्रस्तावों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निवेशकों तथा उद्यमियों की समस्याओं को समयबद्ध ढंग से दूर किया जाए। विभिन्न नीतियों के तहत अनुमन्य सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए जिला, मण्डल तथा राज्य मुख्यालय स्तर पर निरन्तर अनुश्रवण किया जाए। उन्होंने बताया कि वे उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट-2018 के अवसर पर किए गए एम0ओ0यू0 के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ-साथ सम्बन्धित निवेशकों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग को गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गो-आश्रय स्थल को आय का स्रोत बनाए जाने की कार्य योजना तैयार की जाए। इसके अन्तर्गत बायो गैस प्लांट की स्थापना को प्राथमिकता दी जाए। इससे जहां एक ओर ईंधन के लिए गैस प्राप्त होगी, वहीं दूसरी ओर किसानों को अच्छी जैविक खाद भी मिल सकेगी। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, अपर मुख्य सचिव पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

व्हिसलब्लोवर आईपीएस वैभव कृष्ण को बहाल करने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने पूर्व एसएसपी नॉएडा रहे निलंबित आईपीएस अफसर वैभव कृष्ण को बहाल किये जाने की मांग की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में उन्होंने कहा कि वैभव कृष्ण ने ही तमाम सबूतों के साथ 5 आईपीएस अफसर, कई पीसीएस तथा अन्य अफसरों के संबंध में शासन को रिपोर्ट दी थी. पहले किसी भी अधिकारी ने इन शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया था तथा वैभव कृष्ण के पत्रों के लीक होने के पहले तक ये महीनों तक ठंडे बस्ते में पड़े रहे थे। नूतन ने कहा कि अब सतर्कता अधिष्ठान द्वारा अजयपाल शर्मा तथा हिमांशु कुमार के खिलाफएफआईआर दर्ज होने पर यह साबित हो गया है कि वैभव कृष्ण की बातों में बहुत दम था और उन्ही के व्यक्तिगत प्रयासों से यह कार्यवाही संभव हो सकी है।

किसान संगठनों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कृषि संशोधन विधेयक 2020 के संबंध में आश्वासन के बावजूद, राज्य के कई किसान संगठनों ने 25 सितंबर को देशव्यापी विरोध में शामिल होने का संकल्प व्यक्त किया है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बुधवार सुबह पांच अन्य सदस्यों के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि उनका संगठन 25 सितम्बर को विरोध का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से आज की बैठक विभिन्न मुद्दों पर थी। टिकैत ने कहा कि उनका संगठन संसद द्वारा पारित नए कृषि विधेयकों पर किसानों द्वारा लिये गये निर्णय देशव्यापी आंदोलन का पूरी तरह से समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि योगी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम पर अनाज की खरीद नहीं किये जाने का आश्वासन दिया है। केंद्र द्वारा लाया गया फार्म बिल किसान विरोधी है। तराई क्षेत्र में महत्वपूर्ण पकड़ वाले उत्तर प्रदेश के एक और किसान संगठन ने भी विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ बातचीत में घोषणा की है कि एमएसपी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब किसानों को एमएसपी पर या बाजार में ऊंचे दामों पर बेचने का दोहरा लाभ होगा, जो कभी भी उन्हें सूट करता है।

धूम-धाम से मनाया जाए अंतर्राष्ट्रीय कन्या दिवस

लखनऊ, संवाददाता। जिला प्रोबेशन अधिकारी लखनऊ ने सूचित किया कि विकास भवन लखनऊ सभागार में बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ योजना के जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक सहायक कलेक्टर प्रणता ऐश्वर्या आईएएस की अध्यक्षता में आहूत की गई बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ योजना के जनपद में सफल संचालन हेतु विभिन्न विभागों को निर्देश दिए गए शिक्षा विभाग के माध्यम से 11 अक्टूबर 2020 अंतर्राष्ट्रीय कन्या दिवस को धूम-धाम से मनाया जाए, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से घर-घर कोरोना महामारी से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाए अथवा बालिकाओं एवं महिलाओं का निरंतर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए ससमय आयरन गोलियों का वितरण किया जाए पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के दृष्टिगत जनपद में स्थापित पिंक पुलिस बूथ की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाई जाए बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ के जिला टास्क फोर्स की बैठक का संचालन जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ अमरनाथ यति एवं महिला शक्ति केंद्र लखनऊ द्वारा किया गया।

अखिलेश यादव की मांग- केयर्स फंड को जनता केयर्स फंड बनाए बीजेपी

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए बनाए गए पीएम केयर्स फंड को जनता केयर्स फंड में तब्दील करने की मांग की है। सपा अध्यक्ष ने बुधवार को एक ट्वीट कर कहा चुनावी रैली के लिए लाखों एलईडी टीवी पर अरबों का प्रचार फंड खर्च करने वाली वर्तमान सत्ता के पास क्या शिक्षार्थियों-शिक्षकों के लिए ऑनलाइन शिक्षण के लिए व्यवस्था करने का फंड नहीं है, उन्होंने कहा भाजपा सरकार ईमानदारी से पीएम केयर्स फंड को जनता केयर्स फंड बनाए और देश के भविष्य की चिंता करे। अखिलेश ने ट्वीट के साथ अपने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में छात्रों को मुफ्त लैपटॉप बांटने की तस्वीरें भी पोस्ट की। सपा अध्यक्ष ने एक अन्य ट्वीट में कोरोना संक्रमण के मौजूदा हालात के बीच स्कूल खोलने के विचार का भी विरोध किया।

हत्यारोपी की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजनों ने किया थाने का घेराव

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के हसनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दीनदयाल नगर के काव्या मेडिकल स्टोर पर बीते शनिवार को हुई गोलीकांड की वारदात में आशुतोष त्रिवेदी की मौत हो गई थी। जिसके बाद मृतक के पिता ने मृतक आशुतोष त्रिवेदी के दोस्त जय सिंह पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हसनगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। लेकिन 3 दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजनों ने हसनगंज कोतवाली का घेराव कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। आरोपी की गिरफ्तारी ना होने तक थाने पर ही धरना देने की बात पर अड़ गए। मृतक आशुतोष त्रिवेदी के परिजनों ने हसनगंज थाने का घेराव करते हुए पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में लापरवाही बरत रही है। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने परिजनों के सामने घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा करने का वादा किया था। लेकिन जब घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा किए गए। तब परिजनों को इसकी सूचना नहीं दी गई। जिस चलते मृतक के परिजन कोतवाली के अंदर धरने पर बैठ गए और आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक धरना देने की बात पर अड़ गए। हसनगंज कोतवाली पर हंगामा बढ़ता देख मौके पर एसीपी महानगर प्रीति सिंह पहुंची। परिजनों को उचित कार्रवाई व आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर प्रदर्शन खत्म करवाया। एसीपी प्रीति सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें बना दी गई हैं, और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने गन्ना किसानों की समस्याओं और बकाये भुगतान को लेकर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री श्री सुरेश राणा को लिखा पत्र

- प्रदेश में अतिवृष्टि के चलते बर्बाद हुई गन्ने की फसल का तत्काल समुचित मुआवजा गन्ना किसानों को प्रदान किया जायः अजय कुमार लल्लू
- चीनी मिलों पर गन्ना किसानों के बकाये के भुगतान पर देय ब्याज सहित तुरन्त भुगतान दिलाये सरकारः अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने अतिवृष्टि के कारण उ0प्र0 के गन्ना किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो जाने के चलते गन्ना किसानों को समुचित आर्थिक मुआवजा दिये जाने तथा चीनी मिलों पर गन्ना किसानों के बकाये के भुगतान व उस पर देय ब्याज सहित भुगतान कराये जाने को लेकर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीन मिल के कैबिनेट मंत्री श्री सुरेश राणा को पत्र लिखा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने अपने पत्र में लिखा है कि बड़े पैमाने पर गन्ना उत्पादक जिलों में अति वृष्टि से हुए जलभाव के चलते गन्ने की फसल सूखने की खबरें हैं जिनको सरकारी सर्वेक्षण में भी सही माना गया है। किन्तु अभी तक ऐसे प्रभावित किसानों को सरकार द्वारा किसी भी तरह की मदद का आश्वासन नहीं दिया गया, जिसके चलते गन्ना किसान दोहरी मार झेलने के लिए अभिशप्त है क्योंकि एक तरफ उसे बकाये गन्ने का भुगतान अभी तक नहीं मिला और दूसरी तरफ अतिवृष्टि व रेडरौट बीमारी से उसकी फसल नष्ट हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में बन्द पड़ी चीनी मिलों के चलते गन्ना बेंचने में किसानों को असुविधा होने व मिलों पर बकाये गन्ने के भुगतान, बकाये मूल्य पर ब्याज न मिलने व उनकी उपज का उचित मूल्य न मिलने के कारण गन्ने के बुआई के रकबे में लगातार कमी आ रही है जिससे किसान आर्थिक संकट व कर्ज में फंसता जा रहा है। इतना ही नहीं प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2017 से गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ाया है। जबकि किसानों की लागत दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी ने गन्ना किसानों को लेकर कैबिनेट मंत्री से सात्र सूत्रीय मांग अपने पत्र के माध्यम से की है। जिसमें प्रमुख रूप से बन्द पड़ी चीनी मिलों को चलाये जाने, सरकारी सर्वेक्षण में फसल के नुकसान का मुआवजा दिये जाने, गन्ने को कृषि फसल बीमा योजना में शामिल करने, गन्ना मूल्य 450 रूपये प्रति कुंतल किये जाने व विगत 2019 में माननीय न्यायालय में गन्ना आयुक्त द्वारा दिये गये शपथपत्र के अनुरूप गन्ना किसानों को तत्काल बकाया गन्ना मूल्य एवं बकाये गन्ना मूल्य पर ब्याज दिये जाने आदि बिन्दु शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना से आत्मनिर्भर होंगे मत्स्य पालक

लखनऊ, संवाददाता। भारत सरकार द्वारा मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाये जाने हेतु ''ब्लू रिवोल्यूशन, इन्टीग्रेटेड डेवलपमेन्ट एण्ड मैनेजमेंट ऑफ फिशरीज'' योजना के स्थान पर दिनांक 20 मई, 2020 से एक नई केन्द्रीय योजना ''प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना'' (पी0एम0एम0एस0वाई0) को लागू किया गया है। जिसमें केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएं तथा केन्द्र पोषित योजनाएं समाहित हैं। यह योजना 05 वर्ष तक अर्थात प्रदेश में वर्ष 2020 से वर्ष 2025 तक क्रियान्वित की जायेगी। ''प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना'' को प्रदेश में लागू किये जाने व उसके क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य मात्स्यिकी क्षमता सतत, उत्तरदायी, समावेशी और सामयिक तरीके से विदोहन करना, मात्स्यिकी उत्पादन में विस्तारीकरण, सघनतापूर्वक एवं विविधीकरण के माध्यम से वृद्धि करना एवं भूमि व जल का उपजाऊ उपयोग करना, मूल्य वर्धित श्रृंखला का आधुनिकीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं मत्स्य निकासी के बाद के प्रबन्धन व गुणवत्ता में सुधार, मछुआरों व मत्स्य पालकों की आय को दोगुनी करना व रोजगार सृजन, कृषि के सकल मूल्य वर्धित एवं निर्यात में मात्स्यिकी गतिविधियों की हिस्सेदारी बढ़ाना, मछुआरों व मत्स्य पालकों को सामाजिक व आर्थिक जोखिम से सुरक्षा प्रदान करना, मजबूत मत्स्य प्रबन्धन और नियामक ढांचा तैयार करना है। इस योजना के माध्यम से देश का मत्स्य उत्पादन 13.75 मिलियन मीट्रिक टन से 22 मिलियन मीट्रिक टन तक ले जाने तथा 15.00 लाख रोजगार सृजन करने का लक्ष्य है।

प्रदेश के शहर एवं जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन की सूची जारी

लखनऊ, संवाददाता। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम द्वारा प्रस्तावित प्रदेश के शहर एवं जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन की सूची को अ0भा0 कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन नदीम जावेद द्वारा आज स्वीकृति प्रदान की गयी है। जिसकी घोषणा आज अल्पसंख्यक विभाग के प्रान्तीय चेयरमैन शाहनवाज आलम ने की है। अल्पसंख्यक विभाग के प्रान्तीय चेयरमैन शाहनवाज आलम ने बताया कि नवगठित अल्पसंख्यक विभाग के जिला चेयरमैन के पद पर बागपत में श्री वसीम अलवी, बुलन्दशहर में श्री शादाब खान चंदेरू, हापुड़ में एजाज अहमद, गौतमबुद्धनगर में दानिश सैफी, मुजफ्फरनगर में इसरार सैफी, बिजनौर में अनीस विशाल अंसारी, हमीरपुर में इस्लामुल हक, बांदा में अफसर अली, महोबा में इसरार पठान, भदोही में इलियास अहमद, जौनपुर में आरिफखान, आजमगढ़ मे अबू जैद, मऊ में अब्दुल सत्तार कुरैशी, फिरोजाबाद में शमीम कुरैशी, मथुरा में हाजी चौधरी शहाबुद्दीन, मैनपुरी में इरफान हुसैन, आगरा में इरफान मेव, इटावा में पहलवान सईद कुरैशी, कौशाम्बी में तमजीद, लखीमपुर में अजीजुद्दीन सिद्दीकी, सीतापुर में मुनीश अहमद, सहारनपुर में इकराम मलिक, गोण्डा में जैनुल आब्दीन खां, अलीगढ़ में विसेपट जोयल, कासगंज में असरार सैफी, एटा में डा0 मिर्जीउद्दीन, हाथरस में फिरोज खान, शामली में जुनैद खान, कन्नौज में सरफराज हुसैन, मेरठ में ताहिर हुसैन, मुरादाबाद में अफजल साबरी, अमरोहा में साजिद अली चौधरी, बाराबंकी में गुलजार अंसारी, कानपुर नगर ग्रामीण में सुल्तान शेख, सिद्धार्थनगर में डॉ0 नादिर सलाम, एटा में रियाज अब्बास, हाथरस में ताहिर नूरी, शामली में हारून अंसारी, गोरखपुर में जावेद जमा अंसारी, लखनऊ में अनीस अख्तर मोदी, कानपुर नगर में फहद अब्बासी, मुरादाबाद में सफदर नियाजी, जौनपुर में शाहनवान खान, इटावा में साजिद अली राईनी एवं मेरठ में नसीम सैफी को शहर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

जन्मदिवस पर बांट गई वेज-बिरयानी संग खीर

लखनऊ, संवाददाता। मास्टर अयान प्रताप सिंह का नवम जन्मदिवस शहर में बिलकुल अलग अदाज में मनाया गया। कोरोना संकट के कारण लोग सार्वजनिक पार्टी नहीं कर पा रहे हैं ऐसे में सृजन फाउण्डेशन की मदद से इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर जरूरतमंदों को निःशुल्क वेज-बिरयानी संग खीर उपलब्ध करवायी गई। इसके साथ ही लोगों को मास्क बांट कर संदेश दिया गया कि सुरक्षा ही कोरोना से बचाव है। इसलिए स्मार्ट नागरिक बने और मास्क जरूर लगाएं। सृजन फाउंडेशन की ओर से संचालित स्नेहधरा वृद्धाश्रम की सह-निर्देशिका डॉ.अर्चना सक्सेना ने बताया कि कोई न सोये भूखे पेट योजना के अंतर्गत सृजन सेवा रथ अम्मा-बब्बा की रसोई को 25 दिनों से अनवरत संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से 26वें दिन भी सात्विक भोजन खुद तैयार कर वितरित किया गया।

पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी समेत बसपा के 5 नेताओं की मुश्किलें बढ़ी, कोर्ट ने जारी किया गैरजमानती वारंट

लखनऊ, संवाददाता। स्वाति सिंह और उनके परिवार पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में बहुजन सामज पार्टी में रहे कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दकी समेत पांच नेताओं के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट ने गैरजमानती वारेन्ट जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि अभी तक इन नेताओं ने न जमानत कराई है। न ही कोर्ट में माफी की अर्जी ही दाखिल की है। भाजपा सरकार में मंत्री स्वाति सिंह ने बसपा नेताओं के खिलाफ 22 जुलाई 2016 को हजरतगंज थाने में इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। बता दें कि एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पवन कुमार राय ने गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए कहा कि पत्रावली को देखने से पता चला कि आरोपी नसीमुद्दीन सिद्दीकी, राम अचल राजभर, अतर सिंह राव, मेवालाल गौतम और नौशाद अली की ओर से आरोपों पर संज्ञान लेने के खिलाफ दी गई आपत्ति को निस्तारित करने के बाद उनपर आरोप तय किए जाने थे,लेकिन कोई आरोपी हाजिर नहीं हो रहे है। कोर्ट ने मेवालाल, अतर सिंह और नौशाद अली की ओर से दी गई हाजिरी माफी और तारीख बढ़ाने की अर्जी को भी खारिज कर दिया। आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश देते हुए मामले में सुनवाई के लिए 6 अक्तूबर की तारीख तय कर दी। गौरतलब है कि बसपा सुप्रिमों पर तत्कालीन बीजेपी उपाध्यक्ष दया शंकर सिंह ने अमार्यादित टिप्पणी की थी। जिसके बाद उत्तर प्रदेश में बवाल हुआ था। बसपा के वरिष्ठ नेताओं ने दया शंकर सिंह की गिरफ्तारी को लेकर हजरतगंज में जमकर प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन में दया शंकर सिंह की पत्नी, बेटी और मां को खुले मंच से अमर्यादित शब्दों के साथ संबोधित किया गया था।

संसद में विपक्षी नेताओं के व्यवहार पर बोलीं मायावती

लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने पिछले दिनों विपक्षी नेताओं के व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताई है। मायावती ने संसद के मौजूदा सत्र के दौरान विपक्ष के हंगामे को अमर्यादित करार दिया है। उन्होनें बुधवार को सोशल मीडिया पर ट्वीट करके कहा, कि सदन में सरकार की कार्यशैली व विपक्ष का जो व्यवहार देखने को मिला है वह संसद की मर्यादा, संविधान की गरिमा व लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला है। वैसे तो संसद लोकतंत्र का मन्दिर ही कहलाता है फिर भी इसकी मर्यादा अनेकों बार तार-तार हुई है। वर्तमान संसद सत्र के दौरान भी सदन में सरकार की कार्यशैली व विपक्ष का जो व्यवहार देखने को मिला है वह संसद की मर्यादा, संविधान की गरिमा व लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला है। अति-दुःखद। मायावती ने ट्वीट में कहा, कि वैसे तो संसद लोकतंत्र का मन्दिर ही कहलाता है फिर भी इसकी मर्यादा अनेकों बार तार-तार हुई है। वर्तमान संसद सत्र के दौरान भी सदन में सरकार की कार्यशैली व विपक्ष का जो व्यवहार देखने को मिला है। वह संसद की मर्यादा, संविधान की गरिमा व लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला3अति-दुःखद। बता दें कि रविवार (20 सितंबर) को राज्यसभा में किसान बिल पारित कराने के दौरान विपक्षी सांसदों ने काफी शोर-शराबा और हंगामा किया था। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने उप सभापति के आसान के पास जाकर रूल बुक फाड़ दी थी।

प्रदेश में 24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 5234 नये मामले आये सामने

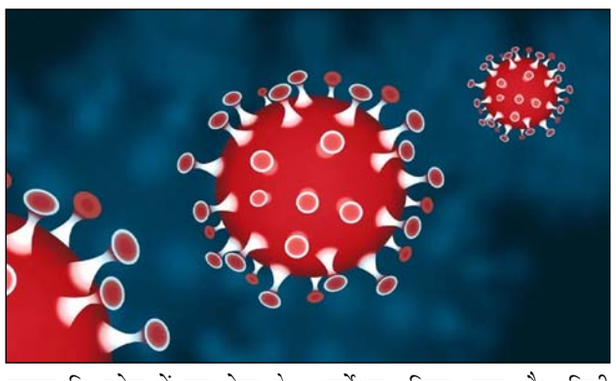

लखनऊ, संवाददाता। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 टेस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में अब तक का सर्वाधिक कुल 1,65,565 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 89,92,424 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विगत 24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 5234 नये मामले आये है। प्रदेश में अब तक कुल 3,02,689 लोग पूर्णतया उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये। प्रदेश में 24 घंटे में 6506 लोग उपचारित हुए। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 81.88 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 61,698 कोरोना के एक्टिव मामले है। उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन में 31,791 लोग हैं। श्री प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में पूल टेस्ट के अन्तर्गत कल 2916 पूल की जांच की गयी, जिसमें 2512 पूल 5-5 सैम्पल के तथा 404 पूल 10-10 सैम्पल की जांच की गयी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 1,17,556 क्षेत्रों में 3,75,885 सर्विलांस टीमों के माध्यम से 2,46,96,323 घरों के 12,26,70,811 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। निजी चिकित्सालयों में 3517 लोग तथा सेमी पेड एल-1 प्लस में 196 लोग ईलाज करा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सरकारी कार्यालयों एवं महत्वपूर्ण संस्थानों में 64,507 कोविड हेल्प डेस्क स्थापित किये जा चुके है। इनके माध्यम से 7,76,327 लोगों का लक्षणात्मक चिन्हांकन किया गया है। उन्होंने बताया कि कोविड हेल्प डेस्क को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से कल 2380 लोगों ने घर बैठे चिकित्सकीय सलाह प्राप्त की। अब तक कुल ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से 92,928 लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि कोरोना पॉजिटिव पाये गये लोगों में 0-20 आयु वर्ग के 13.85 प्रतिशत, 21-40 आयु वर्ग के 48.16 प्रतिशत, 41-60 आयु वर्ग के 28.88 प्रतिशत और 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 9.11 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि कुल संक्रमित लोगों में 68.46 प्रतिशत पुरूष तथा 33.53 प्रतिशत महिलाएं है। श्री प्रसाद ने बताया कि 21 सितम्बर को प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में 7,180 बच्चों का जन्म हुआ है।

भाजपा के किसान, नौजवान विरोधी कार्यों को उजागर करें कार्यकर्ताः नरेश उत्तम

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बुलन्दशहर सदर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी संगठन और कार्य सक्रियता के बारे में जानकारी ली। उनके साथ प्रदेश कार्यालय प्रभारी अरविन्द कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। नरेश उत्तम पटेल ने जिलाध्यक्ष अमजद अली गुड्डू, महासचिव राहुल यादव, पूर्व प्रत्याशी सुजात आलम, पूर्व जिलाध्यक्ष अब्दुल रब, विधानसभाध्यक्ष उदयवीर तथा अन्य प्रमुख नेताओं से पार्टी के संगठन की मजबूती तथा होने वाले उपचुनाव की तैयारियों के सम्बंध में वार्ता की। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती देने, पार्टी में सभी को साथ लेकर उपचुनाव में समाजवादी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराने के लिए कहा।

देश को बेचने में लगी है मोदी सरकारःवर्कर्स फ्रंट

लखनऊ, संवाददाता। रेल, तेल, बैंक, बीमा, हवाई सेवा, कोयला समेत प्राकृतिक संपदा को जिस तरह से वित्तीय पूंजी की सेवा में लगी मोदी सरकार निजी हाथों में बेच रही है वह और कुछ नहीं देश को ही बेच देने की कोशिश है, जिसके विरुद्ध आज देश की भर की ट्रेड यूनियनों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतिवाद दिवस में वर्कर्स फ्रंट ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कार्यक्रम कर विरोध दर्ज कराया, औद्योगिक केंद्र सोनभद्र, आगरा, लखनऊ, मऊ, बस्ती, गोंडा, इलाहाबाद, सीतापुर, चित्रकूट, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी आदि जनपदों में हुए इन प्रतिवाद कार्यक्रमों में सरकार से निजीकरण को बंद करने, नई श्रम संहिताएँ वापस लेने, विद्युत संशोधन विधेयक 2020 को रद्द करने, नई पेंशन स्कीम को खत्म करने, ठेका मजदूरों, आंगनबाड़ी, आशा, पंचायत मित्र, शिक्षामित्र आदि स्कीम वर्कर्स को स्थाई करने व सम्मानजनक वेतन देने, मनरेगा में सालभर काम की गारंटी, शहरी क्षेत्रों के लिए रोजगार गारंटी कानून और बुनकरों को विशेष पैकेज देने की मांगे उठाई गई। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए वर्कर्स फ्रंट के अध्यक्ष दिनकर कपूर ने प्रेस को जारी अपने बयान में बताया कि मोदी सरकार ने संसद को बंधक बनाकर मजदूरों के विरुद्ध इस मानसून सत्र में तीन विधेयक जो श्रम संहिताओं के नाम से हैं और किसानों के खिलाफ तीन विधेयक पास कराए. मजदूरों की श्रम सहिताएं आजादी के पहले और आजादी के बाद लंबे संघर्षों से मिले मजदूरों की सुरक्षा, रोजगार, न्यूनतम मजदूरी और लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म करती है. उन्होंने कहा कि कहां तो मोदी सरकार पांच ट्रिलियन की इकनॉमी बनने की घोषणाएं कर रही थी और कहां उसने देश को इस हालत में पहुंचा दिया कि हमारी जीडीपी तक 24 प्रतिशत घट गई. पूरे देश में बेरोजगारी भयावह रूप ले चुकी है और सरकार छंटनी, डाउनसाईजिंग, भर्ती पर रोक और कोरी लफ्फाजी करने में व्यस्त है. इसके विरुद्ध मजदूर, किसान, युवा तबकों में आक्रोश बढ़ रहा है और इस आक्रोश को और मजदूर आंदोलन को एक राजनीतिक ताकत में बदल देना वक्त की जरूरत है।

बारिश से गिरा तापमान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में काफी दिनों से उमस और गर्मी से बेहाल गोलों को आज बारिश होने से राहत मिली राजधानी समेत उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बुधवार दिन की शुरुआत बारिश से हुई। बारिश के चलते ठंड भी बढ़ गई है। रात और सर्द हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 36 घंटों तक यूपी के कई शहरों में बारिश का दौर जारी रहेगा। यूपी में बारिश के चलते सूबे का पारा लगातार कम हो रहा है, जिससे अब कुछ दिनों में गुलाबी सर्दी पड़ने लगेगी। बुधवार को लखनऊ में दिन की शुरुआत झमाझम बारिश से हुई। राजधानी में सुबह चार बजे से रुक-रुक कर बारिश हो रही थी। दोपहर को तेज बारिश ने लोगों को घरों और दफ्तरों में कैद कर दिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम करते हुए कांग्रेस के आठ कर्ताओं को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर/ गिड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग के बदतर हालात एवं जगह-जगह टूटे हुए रोड पर आने जाने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है रोड की लचर व्यवस्था पर कांग्रेस पार्टी की जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान ने सवाल उठाया तथा आज बाघागाड़ा पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई कांग्रसियों के साथ धरने पर बैठ गयी, पुलिस प्रशासन द्वारा धरने को समाप्त करने के लिए कहा गया परंतु जिला अध्यक्ष ने कहा जब तक किसी प्रशासनिक अधिकारी द्वारा इसकी जिम्मेदारी नहीं ली जाती है। कि यह कार्य कितने दिनों में पूरा हो जाएगा तब तक वह धरने पर से नहीं उठेंगी जिसके कारण पुलिस प्रशासन ने जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान समेत 8 लोगों को गिरफ्तार कर गीडा थाने ले गई।

वन विभाग की छापे मरी से पिकअप पर लदा 10 बोटा साखू की लकड़ी बरामद

महराजगंज। नौतनवा थाना अन्तर्गत अड्डा बाजार पुलिस चौकी के नाक के नीचे ही वन विभाग की टीम ने एक पिकअप सहित लाखों रुपये की लकड़ियां बरामद करने में सफलता हासिल की है । यह बरामदगी पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित भोला के घर से हुई। जंगल से कीमती लकड़ियों को काटकर बेच रहे इस अवैध धंधे की सूचना वन विभाग को कुछ दिनों से थी कि वन माफियाओं के सहयोग से लकड़ी लाई जा रही है और उसे अन्य महानगरों में भेजा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार नौतनवा थाना क्षेत्र के अड्डा बाजार पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर ग्राम

पंचायत बेलभार में वन विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर दस नग साखू का बोटा बरामद किया है । मंगलवार को बेलभार में उत्तरी चौक रेंजर की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बेलभार निवासी भोला के घर पर छापा मारी की जहाँ से एक पिकअप सहित दस बोटा साखू की लकड़ी बरामद किया । पिकअप सहित लकड़ियों को लक्ष्मीपुर रेंज में लाया गया। छापे मारी के मौके पर उत्तरी चौक रेंजर राकेश कुमार, मोहन सिंह, राम भवन यादव, भोरिक यादव सहित वन विभाग की टीम मौजूद रही। वहीं क्षेत्र के लोगों द्वारा वन विभाग व अड्डा पुलिस चौकी की भूमिका पर तरह-तरह के सवाल उठाए जा रहे है। उनका कहना है कि अगर दोनो विभाग के लोग ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते तो पुलिस चौकी के कुछ ही दूरी से भरी पिकअप साखू व सागौन की लकड़ियों की तस्करी नहीं होती। ग्रामीणों का कहना है की मंगलवार को भोर में ही पकड़ी गयी लकड़ी क्यों मंगलवार को दोपहर 3 बजे वन विभाग के हाथ लगी। पुलिस द्वारा पकड़ी गई लकड़ी पुलिस चौकी के बजाये दूसरे के घर पर क्यों रखी गई।

टॉप टेन हिस्ट्रीशीटर अवैध असलहा के साथ किया गया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक बस्ती द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक नगर सतानंद पांडेय व स्वाट

प्रभारी राजकुमार पांडेय की टीम द्वारा दिनांक 22.09.2020 को बेलाड़ी ओवरब्रिज के पास से टॉप टेन अपराधी/ थाना नगर का मजारिया ॥स्-/31 संतोष सिंह को एक अदद तमंचा 12 बोर व दो अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर थाना नगर पर मु0अ0सं0-203 /2020 धारा 3/25, ,ष्टज्ञ पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

बाइक लूट का मुकदमा बारह दिन बाद हुआ दर्ज

गोरखपुर/गोला थाना क्षेत्र के पकड़ी पुल के पास बीते दस सिम्बर गुरूवार की देर रात बाइक से घर जा रहे युवक को असलहा सटाकर दो लोग बाइक छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की लिखित सूचना गोला पुलिस को दिया था। बारह दिन बाद जांच पड़ताल कर गोला पुलिस अज्ञात के विरुद्ध धारा 394, 506 आई पी सी में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है ।

प्राप्त बिबरण के अनुसार गोला थाना क्षेत्र के ग्राम कोड़री निवासी सोनू पाठक बाइक से कौड़ीराम अपने बहन के घर गए थे। गुरुवार की देर रात को वे पकड़ी पुल होते हुए घर आ रहे थे। वे अभी पुल से थोड़ा ही आगे बढ़े थे कि पीछे से बाइक से आए दो युवकों ने उन्हें रोका और दो झापड़ मारकर असलहा सटा दिया वे घबड़ा गए। जिसके बाद युवक बाइक लेकर वापस पकड़ी चौराहे की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना गोला पुलिस को मिली । गोला पुलिस सूचना पाते ही सक्रिय हो गयी ।पीड़ित जब थाने पर पहुचा तो नशे की हालत में था । गोला थाने पर लिखित तहरीर दिया।इस संबंध में कोतवाल संतोष कुमार सिंह का कहना है कि पीड़ित के लिखित तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध लूट का मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है। लूटी गयी बाइक का पता अभी नही चल पाया है।

पैदल गस्त कर लोगों को जागरूक कर रही मलिहाबाद पुलिस

पुलिस अधीक्षक प्रभारी ग्रामीण महोदय हृदेश कुमार के निर्देशानुसार

रुद्र प्रताप सिंह। मलिहाबाद लखनऊ की पुलिस मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक चिरंजीव मोहन उप निरीक्षक भतोइया चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र यादव कांस्टेबल सुरेश गौतम हिमांशु साहू पूरी पुलिस फ़ोर्स और पीएसी बल के साथ भतोइया में पैदल मार्च कर मास्क लगाने के लिए लोगों को कर रहे जागरूक और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से अपील की मलिहाबाद प्रभारी निरीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए है किसी भी व्यक्ति को बेवजह परेशान ना किया जाए अगर जो भी व्यक्ति बिना मास्क रोड पर बाहर निकल रहे है उनका चालान काट कर सख्त हिदायत दी जाए और क्षेत्र में जगह जगह खाद्य सामग्री दुकानों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ साथ सोशल डिस्टेंसिंग का अवश्य पालन कराएं मलिहाबाद तेज तरार थाना प्रभारी महोदय स्वयं प्रतिदिन गांव और कस्बे में जाकर विभिन्न गलियों और चौराहों पर खुद रख रहे है पैनी नजर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए कर रहे हैं लोगों को प्रेरित जिससे इस वैश्विक महामारी से निपटा जा सके और इसका कड़ाई से पालन कराया जाए ताकि इस महामारी को फैलने से रोका जा सके।

वीएचएनडी की गतिविधियों के साथ आशा और एएनएम को दिया जा रहा प्रशिक्षण

महराजगंज। कोरोना को मात देकर फिर स्वास्थ्य सेवा में उतरे स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी भागवत सिंह ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वीएचएनडी) पर गतिविधियों को संचालित कराने के साथ-साथ आशा और एएनएम को समय-समय पर प्रशिक्षण देने में जुट गए हैं। वहीं कोरोना से बचाव के लिए जन समुदाय को जागरूक करने में भी लगे हुए हैं। इसके साथ ही वह कोरोना काल में स्वास्थ्यकर्मियों का उत्साह भी बढ़ा रहे हैं। वहीं जब बीते मार्च माह से लॉकडाउन शुरू हुआ तभी से कोरोना से बचाव के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं तथा एएनएम को वह प्रशिक्षित करते रहे। इसी बीच वह दो अगस्त को कोरोना के चपेट में आ गए। इसके बाद वह सावधानी के साथ इलाज कराना शुरू किया,13 अगस्त को जब उन्होंने एंटीजन तथा आरटी पीसीआर जांच करवाया तो रिपोर्ट निगेटिव आयी। पुनः 20 अगस्त से वह पूर्व की भांति स्वास्थ्य सेवा में जुट गए। वह अब ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर गतिविधियों को संचालित कराने के साथ-साथ समय-समय पर आशा कार्यकर्ताओं तथा एएनएम को भी प्रशिक्षण देते रहते हैं। वह वीएचएनडी सत्रों पर जाकर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने तथा हाथ धोने का तरीका बता रहे हैं।

अयोध्या सन्त तुलसीदास घाट पर मादक द्रव्य विक्रेता मुन्ना सिंह को पुलिस ने भेजा जेल

मुखबिर की सटीक सूचना पर मार्दक द्रव्य तस्कर व गांजा विक्रेता लगा पुलिस के हाथ, जनता ने पुलिस के प्रति जताया आभार

एक किग्रा अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार, गत दिनों से सरयू तट निकट बेच रहा था मार्दक पदार्थ

अयोध्या। वरिष्ट पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार के द्वारा अपराध व अपराधियो पर नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत सरयू घाट पर अवैध मार्दक पदार्थ बेचने वाला अभियुक्त गिरफ्तार किया गया। यह गत दिनों से सरयू तट निकट गांजा आदि बेंचा करता था, आज सटीक मुखबिरी पर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा।

अयोध्या क्षेत्राधिकारी आरके राय के कुशल पर्यवेक्षण में व कार्यवाहक थाना प्रभारी अयोध्या रमेन्द्र वर्मा के कुशल नेतृत्व में स्थानीय क्षेत्र के रेलवे पुल निकट बंधा तिराहा के पास से अभियुक्त मृत्युन्जय उर्फ मुन्ना सिंह पुत्र शिवनारायण निवासी कच्चाघाट नयाघाट थाना कोतवाली अयोध्या को एक किग्रा अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया।

जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 694/20 धारा 8/20 एन0डी0पी0एस एक्ट पंजीकृत किया गया। इसमें नयाघाट चौकी प्रभारी धर्मेंद्र मिश्रा सहित टीम का अहम रोल रहा। मार्दक द्रव्य विक्रेता के गिरफ्तारी से अयोध्या सरयू तट के लोग काफी हर्षित है व पुलिस के प्रति आभार जताया है।

मारपीट के दौरान 14 वर्षीय बालिका की मौत परिजनों ने रोड जाम कर किया हंगामा

महराजगंज। पुरानी रंजिश को लेकर 16 दिन पूर्व पहले महराजगंज जनपद के कुआंचाप के कौवाठोड़ टोला में मारपीट के मामले में एक 14 वर्षीय बालिका की मौत हो गई थी जिसको लेकर लोगों में काफी आक्रोश था बुधवार को ग्रामीणों के साथ मृतक के परिजनों ने शव के साथ पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। पनियरा-मुजुरी में मार्ग पर चौधरी फीलिंग स्टेशन के पास मृतक के शव को रख सड़क को जाम कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। और जाम को हटाने का प्रयास शुरू कर दी, लेकिन परिजनों की मांग थी कि मारपीट करने वाले सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। उच्चाधिकारियों को घटनास्थल पर बुलाया जाए और तब जाम को हटाया जायेगा। मौके पर एएसपी निवेश कटियार और सीओ राजू कुमार साव पहुँच गए थे। मामला जानकारी में आने के बाद एसपी प्रदीप गुप्ता ने मातहतों को फोन पर कार्रवाई के लिए दिशा निर्देश दिए।

आइये जानते है क्या है मामला

कुआंचाप के कौवाठोड़ टोला में 7 सितंबर शाम सात बजे पट्टीदारों से पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हुई। जिसमे रमाशंकर, दीपक, अंजू, नंदिनी समेत पांच लोग घायल हुए थे। परिजनों के मुताबिक मारपीट की 14 वर्षीय आराधना को भी चोट लगी थी जिसको उपचार के लिए परिजनों ने। मंगलवार की शाम को पीएचसी ले गए। जहा डॉक्टर ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मंगलवार की रात में ही मौत हो गई। बुधवार की सुबह दस बजे पनियरा-मुजुरी मार्ग पर चौधरी फीलिंग स्टेशन के पास शव रख परिजन ग्रामीणों के साथ सड़क जाम कर दिए।

पनियरा पुलिस का कहना है की

इस मामले में पनियरा एसओ दिलीप शुक्ल ने बताया कि मारपीट वाली घटना के दिन रमाशंकर की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ धारा 151, 323, 504 आईपीसी के तहत एक पक्षीय कार्रवाई की गई थी।

एक रिवाल्वर की कीमत होगी एक लाख साठ हजार

कंचन उजाला/ लखनऊ। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर यूपी में बनने जा रही फिल्म सिटी में जहाँ अब फिल्मों की दुनिया सिनेमा सिटी की दूसरे तरीक़े से पुनः शुरुआत होने के लिए गत दिवस मीटिंग हुई है। वहीं फिल्में बनने के साथ ही अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से सटे हरदोई जनपद के संडीला में अब बनेंगी दुनिया की नामी-गिरामी लंदन की मशहूर वेबले एंड स्कॉट रिवाल्वर। वेबले एंड स्कॉट यूपी के संडीला (हरदोई) में लगा रही है फैक्ट्री, जहां नवंबर से रिवाल्वरों का उत्पादन भी शुरु हो जाएगा। ब्रिटिश कंपनी ने लखनऊ की सियाल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ किया करार। पहले चरण में 32MM का रिवाल्वर बनाएगी कंपनी। विश्व युद्ध के समय गठबंधन सेना को हथियार देती थी ये कंपनी। संडीले वाले लड्डू के लिए पहले से मशहूर संडीला की अब होगी संडीला वाले रिवाल्वर की

भी पहचान। उत्तर प्रदेश की सरकार ने हरदोई के संडीला में ब्रिटेन की मशहूर वेबलें एंड स्कॉट कंपनी के साथ रिवाल्वर बनाने का समझौता किया है, जिसके तहत नवंबर से वेबले स्कॉट कंपनी रिवाल्वर बनाने का काम शुरू कर देगी। वेबले एंड स्कॉट रिवाल्वर बनाने वाली लंदन की ये कंपनी दुनिया की नामी-गिरामी आयुध कंपनी हैं।

ब्रिटिश कंपनी ने लखनऊ की सियाल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ रिवाल्वर बनाने का करार किया है। संडीला में फैक्ट्री पहले चरण में 32 MM का रिवाल्वर बनाएगी कंपनी। वेबले एंड स्कॉट कंपनी के इंग्लैंड से 15 विशेषज्ञों की टीम संडीला जाएगी। श्रीबताया जा रहा है कि प्वाइंट 32 एमएम की रिवाल्वर की कीमत एक लाख साठ हजार रखी जाएगी। यह भी कहा जा रहा है कि कंपनी दूसरे चरण में शॉट गन और गोला-बारूद भी बनाने का काम करेगी।

कैन्ट थानान्तर्गत मारपीट व फायरिंग में संलिप्त दो अभियुक्तों के ऊपर एसएसपी ने 25-25 हजार रुपए की धनराशि के पुरस्कार की घोषणा की है

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु किये जा रहे कार्यवाही के क्रम में कैण्ट थानान्तर्गत हुए मारपीट/फायरिंग की घटना में पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0 1228/20 धारा 147,148,149,307 भादवि तथा मु0अ0सं0 1231/20 धारा 147,148,149,307,323,504, 506 भादवि व 7 सीएलए एक्ट के वांछित 02 अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु 25-25 हजार रूपये धनराशि के पुरस्कार की घोषणा की गयी। अभियुक्तों का नाम व पताः- शुभम सिंह उर्फ सिंघाड़ा पत्र संजय सिंह निवासी मोतीराम अड्डा थाना झगहा हाल पता आवास विकास कालोनी कूड़ाघाट थाना कैण्ट जनपद गोरखपुर शुभम सिंह पुत्र भगवन्त सिंह उर्फ बबलू सिंह निवासी जयनगर थाना बरहज जनपद देवरिया।

घर से लापता लड़की को 12 घंटे में पुलिस ने किया बरामद

गोरखपुर/रामगढ़ ताल थाना क्षेत्र मे जब किसी परिवार का कोई सदस्य किसी कारण घर से जब लापता हो जाता है और घर वाले जब दिनभर उंसकी तलाश करने के बाद जब नाउम्मीद हो जाते है तब वो पुलिस के पास इस उम्मीद से अपनी फरियाद लेकर पहुचते है कि शायद अब पुलिस ही उनके घर के खोय हुए लाल को खोज सकती है और उनकी उम्मीद पर तब मोहर लग जाती है जब पुलिस के द्वारा उस प्रकरण को गंभीरता से लिया जाता है और लापता हुए शख्स को घर वालो के सुपुर्द किया जाता है कुछ ऐसा ही हुआ। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की जो घर से नाराज़ होकर लापता हो गयी थी। रामगढ़ताल थाना प्रभारी सत्य सन्याल शर्मा की तत्परता की वजह से महज 12 घंटे में घर से नाराज होकर निकली लड़की को बरामद करने में सफलता मिली। मिली जानकारी के अनुसार रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के सिद्धार्थनगर कॉलोनी निवासी राजन ओझा की पुत्री को उसकी मां ने डांट दिया जिससे वह नाराज होकर घर से दोपहर को 1:00 बजे निकल गई लड़की कक्षा दसवीं की छात्रा है। घरवाले दोपहर से ही उसे खोजने में लगे रहे लेकिन जब लड़की नहीं मिली तो रात को 10:00 बजे रामगढ़ ताल थाने पर पहुंचकर लड़की की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई । पुलिस ने तत्काल मुकदमा पंजीकृत करके लड़की की छानबीन में जुट गई। रामगढ़ताल थाना प्रभारी सत्य सान्याल शर्मा ने दो टीमें गठित की जिसमें उप निरीक्षक शैलेंद्र यादव उप निरीक्षक जयप्रकाश यादव उप निरीक्षक सूर्यकांत पंडित कांस्टेबल रेनू तिवारी लड़की की तलाश में लग गए महज 12 घंटे के अंदर ही भरवलिया के पास से लड़की को सकुशल बरामद किया गया। लड़की की मां बच्ची को पाकर रामगढ़ताल पुलिस की काफी सराहना की।

किसानों को मिला आश्वासन धरना समाप्त किया

मंडल ब्यूरो रुद्र प्रताप सिंह। मलिहाबाद लखनऊ लगभग 16 दिनों पूर्व में मलिहाबाद के भदेसरमऊ गांव के किसानो ने बारिश ना होने के कारण सिंचाई के लिए समय पर पानी ना मिलने से नाराज नहर में पानी छोड़े जाने की मांग रखी थी लेकिन पूर्व समय में पानी ना मिलने पर संतोष कुमार मौर्य की अध्यक्षता में किसानों ने धरना प्रदर्शन चालू कर दिया काफी संख्या में किसान नहर की पटरी पर अपनी फसलों के लिए भूखे प्यासे अनसन पर बैठे रहे और किसी आला अधिकारी ने सुधि नहीं ली और चौथे दिन किसानों को आश्वासन देकर आमरण अनशन तुड़वा दिया गया परंतु समस्या वही नजर आ रही है अपने खेतों के अनाज को बचाने के लिए खेतो के किनारे दिन रात पड़े जिम्मेदार किसान अपनी गलतियों पर टालमटोल करते रहे 16 दिन बाद जब मलिहाबाद विधायिका जयदेवी कौशल इसके संबंध में जानकारी मिली तो नहर विभाग के उच्च अधिकारियों व अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से बात की और खुद किसानों के साथ धरने पर बैठने को कहा और यह सुनते ही नहर विभाग मौन पड़े अधिकारियों के कानों में आवाज पहुंची और किसानों की समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारण कराने का आश्वासन दिया और विधायिका के कहने पर ग्रामीण किसान धरने से हटे।

अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री व परिवहन के विरुद्ध हुआ कार्यवाही

महराजगंज !पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री व परिवहन पर प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्र की पुलिस द्वारा तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुए कुल 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 लीटर कच्ची शराब, 82 शीशी अवैध नेपाली शराब व 15 शीशी अवैध देशी शराब की बरामदगी की गयी। जिसमें थाना बरगदवा पुलिस द्वारा दो अभियुक्तों को पकड़ा गया है जिसमें एक अभियुक्त की पहचान शिवशंकर जायसवाल पुत्र राधेश्याम निवासी देवबही थाना बरगदवा जनपद महराजगंज के रूप में हुई है अभियुक्त के पास से 10 शीशी नेपाली शराब बरामद कर मुकदमा अपराध संख्या 106/20, दर्ज किया गया और दूसरा अभियुक्त जिसकी पहचान पूर्णमासी पुत्र हंसु निवासी व थाना बरगदवा जनपद महराजगंज के रूप में पहचान हुई है।

गोरखपुर मे हिंदू युवा वाहिनी ने मुख्यमंत्री के द्वारा स्वीकृत महानगर के विकास कार्यों के शिलान्यास की तैयारी प्रारंभ की

गोरखपुर/महानगर के बाहरी क्षेत्रों में विद्युतीकरण जर्जर पोल/तार बदलने के लिए स्वीकृत कार्य एवं सड़को के शिलान्यास कार्यक्रम में संगठन की भागीदारी को लेकर हिंदू युवा वाहिनी महानगर कार्यकारिणी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक रेलवे स्टेशन स्थित प्रदेश कार्यालय पर आयोजित की गई ।बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष रणंजय सिंह जुगनू ने किया तथा संचालन महामंत्री आशीष गुप्ता ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर प्रभारी राम भुआल कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महानगर के बाहरी एवं अंदरुनी मुहल्लों के विद्युतीकरण के लिए पुराने जर्जर तार बांस-बल्ली पर लगाए गए तारों को बदलने के लिए11करोड़ की योजना लाकर

नागरिकों को विशेष सुविधा की उम्मीद जगा दी है। महानगर संयोजक ऋषि मोहन वर्मा ने कहा कि महानगर के अंदर मुख्य एवं वार्डो में अंदरुनी सड़को का सुधार होगा ।मुख्यमंत्री योगी जी के निर्देशानुसार प्रत्येक विकास कार्यो के शिलान्यास के कार्यक्रम उन्ही मोहल्लों में कार्यकर्त्ता एवं स्थानीय नागरिको के उपिस्थिति में होगा । बैठक में मुख्य रूप से महानगर संयोजक ऋषि मोहन वर्मा,महानगर सह संयोजक पवन त्रिपाठी, सहसंयोजक राजेश सोनकर, महामंत्री आशीष गुप्ता, मंत्री आशुतोष पाण्डेय,शशांक चतुर्वेदी, महानगर कोषाध्यक्ष संदीप शर्मा, संतोष वर्मा, हिमांशु गुप्ता, राजेंद्र कुशवाहा, गोपाल उपाध्याय,अनूप भारती, दीपक अग्रहरि, विवेक सूर्या सतीश मौर्य ,मोनू कुशवाहा आदि कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

जनपद में आज 30 नये कोरोना संक्रमित मरीज मिले पाजिटिव

महराजगंज। जिलाधिकारी डा0 उज्ज्वल कुमार द्वारा बताया गया कि 3246 ब्यक्तियो की सैम्पलिगं में आज 30 कोरोना संक्रमित मरीज मिले है ।अब तक 92865 ब्यक्तियो की सैम्पलिंग किया जा चुका है । इस प्रकार अब जनपद में कुल कोरोना मरीजो की सख्या 4837 हो गयी है, तथा सक्रिय मामले 3765 तथा स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने वाले ब्यक्तियो की कुल संख्या 1006 है। होम आईसोलेशन में 2887 मरीज है, तथा अब तक 66 संक्रमित मरीजो का उपचार दौरान मृत्यु हो चुकी है। जनपद में अब तक कोरोना संक्रमण से ब्यक्तिगत स्वास्थ्य सुरक्षा में रिकबर होने वाले मरीज 3893 है।

चुनाव टलना चाहिए

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या एक लाख प्रतिदिन होने के नजदीक है। पहले हम कह रहे थे कि दुनिया के बड़े देशों से हम बहुत बेहतर हैं। अब हमारी प्रतिस्पर्धा केवल अमेरिका से है। ब्राजील भी पीछे छूट गया। हम आंकड़ों से भले ही जनता को समझाने की कोशिश करें पर यह सच्चाई है कि संक्रमितों और मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। आम जनता में कोरोना संक्रमितों के लिये हुई शासकीय व्यवस्था के प्रति भी नाराजी है। कोरोना संक्रमित इसलिए भी बचने की कोशिश कर रहे है।

इसीलिए वे टेस्ट भी नहीं करवाना चाहते है। शायद ऐसा हो तो संक्रमितों की संख्या बहुत अधिक बढ़ सकती है। इसमें प्रशासन को भी सुविधा है। व्यवस्थाएं छोटी पड़ती जा रही हैं। सरकारी मशीनरी भी मौत की संख्या को कम बताने के चक्कर में ऐसी होने वाली मौत नहीं गिनाना चाहती है। पिछले दिनों टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक रिपोर्ट मुताबिक सूरत शहर में मौत वाली सरकारी संख्या और शमशानघाट और कब्रिस्तान में पहुंची हुई लाशों की संख्या में बड़ा अंतर था। स्थिति यह थी कि चार घंटे की प्रतीक्षा के बाद अंतिम संस्कार का नंबर आ रहा था। सभी डॉक्टर मान रहे हैं कि स्थिति कम्युनिटी स्प्रेड की है। ग्रामीण क्षेत्र में फैलता जा रहा है। तब स्थिति भयानक नहीं होगी? जब मात्र 400 संक्रमित थे, तब सरकार ने सख्ती से लॉक डाउन किया। दुनिया में पहली बार इतना सख्त लॉक डाउन? बीमारी के इलाज से ज्यादा छबि बनाने की कोशिश थी। अब जब कि विकास दर 24 फीसदी से नीचे चली गई है, दूसरी तिमाही के पहले अर्थ व्यवस्था को पटरी के नजदीक लाने की कोशिश में सब खोलना सरकार की मजबूरी है। सरकार के सामने अपनी वित्त व्यवस्था की समस्या भी है। इन वर्षों में आने वाले विधानसभा चुनाव के अतिरिक्त 2023 और 2024 के चुनाव भी सरकार के निर्णयों की पृष्ठभूमि में रहेंगे। तब तक कोरोना ठीक हो भी जाए पर अर्थव्यवस्था भी ठीक होना चाहिए। इसलिए भी सब खोलना आवश्यक है। इसका परिणाम भी कोरोना संक्रमण की दर बढ़ने में ही होगा। हम एक चक्रव्यूह में है। ऐसी स्थिति में राज्यों के चुनाव हो रहे है। राज्यों में उपचुनाव कराने का निर्णय बिहार के आमचुनाव पर निर्भर करता है। परिस्थितियां शायद सत्तारूढ़ दल के अनुकूल है। इसलिए चुनाव करा लेना चाहेंगे। तब उपचुनाव भी होना है। संविधान भी यही कहता है। बिहार विधानसभा के चुनाव तो फिर भी 6 महीने टाले जा सकते हैं, पर उपचुनाव सामान्य तौर पर 6 माह में होना है। फिर मध्य प्रदेश में स्थिति पहली बार बनी है जब कि उपचुनाव पर सरकार और उससे ज्यादा उन मंत्रियों का भविष्य टिका है जो बगैर विधायक हुए मंत्री बन गए हैं। इसलिए चुनाव कराने का मन चुनाव आयोग और सरकार दोनों ने बना लिया है। पर इसकी कीमत तो जनता को ही चुकाना है।

चुनाव का टेम्पो बन गया है। सरकार और विपक्ष दोनों चुनाव के मोड में आ गए है। पिछले हफ्ते एक जिला न्यायालय ने आदेश दिया है कि प्रशासन सोशल डिस्टेंस और मास्क इत्यादि का पालन करवाए क्या यह संभव है? चुनावी सभायें शुरू हो गई हैं, कलश यात्राएं निकल रही हैं। मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेताओं की सभाओं को रोक पाना इतना आसान नहीं होगा। क्या जिला प्रशासन इन्हें रोक पायेगा। और यदि यह नहीं होने दिया तो चुनाव प्रचार का तरीका क्या होगा। दोनों पार्टियों के अनेक नेता संक्रमित हो चुके है। यह संख्या दिन ब दिन बढ़ेगी। यदि उम्मीदवार ही संक्रमित हो गया तो वह तब तक छिपाता रहेगा जब तक कि छिपाना संभव नहीं हो। पर तब तक न जाने कितने लोगों के संपर्क में वह आ चुका होगा। आखिर उसके भी राजनैतिक भविष्य का सवाल है। मध्य प्रदेश में करीब एक तिहाई सीटों पर पिछली हार-जीत का फासला दस हजार से कम था। यदि कम वोटिंग हुआ, जिसकी पूरी संभावना है तो क्या यह मतदाता और उम्मीदवार दोनों के साथ अन्याय नहीं होगा। अगले तीन महीने, विशेष कर आचार संहिता लगने के बाद सरकारी काम लगभग रुक जाएगा। नेता और प्रशासन चुनाव में होंगे। इधर संख्या बढ़ती जा रही है। इनकी व्यवस्था कौन करेगा। किसी मेडिकल कॉलेज के अनुमान के मुताबिक अगले दो महीनों में मध्यप्रदेश में 2 लाख 60 हजार से ज्यादा संक्रमित होंगे। दिल्ली और मुंबई की स्थिति तो डराने वाली है ही।अस्पतालों, निजी और सरकारी, दोनों की व्यवस्थाएं जवाब दे रही है। देश आधा करोड़ से अधिक तो पहुंच चुका है। चुनाव के समाप्त होते होते एक करोड़ तक पहुंच जाएं तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। 6 महीने से ज्यादा समय से कोरोना से युद्ध लड़ते-लड़ते सरकारी मशीनरी थकने लगी है। तब चुनाव और कोरोना का दोहरा बोझ सह पाएगी? सरकार आश्वासन तो जरूर देगी कि सब कुछ होगा, परन्तु क्या यह संभव है। जिस प्रशासनिक संस्कृति के चलते आम आदमी वैसे ही परेशान रहा है, चुनाव की व्यस्तता में प्रशासन उसकी कितनी मदद कर सकेगा।

राजनैतिक दल यह कभी नहीं कह पाएंगे कि चुनाव आगे बढ़ाना चाहिए। जो कहेगा उसकी कमजोरी कही जायेगी। भारतीय जनता पार्टी के लिए मध्यप्रदेश चुनाव छोड़ कर, उपचुनाव इतना महत्वपूर्ण नहीं है। उनके लिए केवल बिहार चुनाव का महत्व है। परन्तु समूचे देश में फैलता हुआ कोरोना, बढ़ती हुई मौतें और चुनावों में उलझा हुआ प्रशासन नई मुसीबतों को जन्म देगा। यह जनता को चाहिए कि वह दबाब बनाये कि चुनाव टलना चाहिए। सरकार संसद और विधान सभायें चलाने को तैयार नहीं है। यदि चलाती भी है तो मात्र संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने के लिए। परम्पराएं तोड़ी जा रही है। कोरोना के चलते प्रश्नकाल जैसी महत्वपूर्ण गतिविधि समाप्त कर दी गई। बहस से बचा जा रहा है। पच्चीस से ज्यादा सांसद कोरोना संक्रमित पाए गए है। इसलिए विपक्ष ने भी मजबूरी में मान लिया कि सदन समय से पहले समाप्त कर दिया जाए। मध्यप्रदेश में विधानसभा का मात्र एक दिन का औपचारिक सत्र हुआ। सरकार स्कूल कॉलेज के बारे में निर्णय नहीं ले पा रही है। कुछ परीक्षाएं हो रही है तो शेष के लिए कोरोना कारण बताया गया है। उच्च शिक्षा आयोग के निर्देशों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण महाविद्यालयों में अंतिम वर्ष की परीक्षाएं तो हो रही हैं, पर शेष परीक्षाओं पर रोक लगा कर अन्य तरीकों से प्रमोट करने की मजबूरी है। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि पीक अभी आया नहीं है। किसी के मत में अक्टूबर, कोई मानता है, दिसंबर और कुछ लोगों का मत है पीक कभी भी आये मार्च तक परिस्थितियां सामान्य नहीं होंगी। अर्थ व्यवस्था तो सब खोल देने के बावजूद नीचे जा रही है। उस पर कोरोना के चलते चुनाव ले लिए की जाने वाली अतिरिक्त व्यवस्थाओं का बोझ और पड़ेगा। जब यह स्थिति है तब चुनाव कराने की कौन सी मजबूरी है। संवैधानिक दायित्व? ऐसी आपातकालीन स्थिति के लिए संविधान रास्ता भी देता है। अब यह जरूरी है कि राजनैतिक दल अपने निजी हितों को छोड़ कर चुनाव के बारे में विचार करें।

सम्पादकीय

एमएसपी की तय हो अनिवार्यता

सरकार द्वारा लाये गये तीन कृषि विधेयकों को लेकर जो हंगामा मचा है, पहले उससे जुड़ी आधारभूत बातों को जानते हैंध् जब देश आजाद हुआ, उस समय हम अनाज के मामले में आत्मनिर्भर नहीं थेघ् एक समय ऐसी स्थिति भी आ गयी थी कि देश की अनाज जरूरतों को पूरा करने के लिए समुद्री जहाजों से अनाज भारत में आता थाघ् इसके बाद 1965 में सरकार ने एक कमिटी का गठन किया, जिसका उद्देश्य किसानों को बिचौलियों के चंगुल से बचाना था। इसके लिए एपीएमसी एक्ट बना और एपीएमसी कमिटी का गठन किया गया, इस कमिटी के तहत विनियमित मंडियों को बनाया जाना तय हुआ। यह भी तय हुआ कि इन्हीं मंडियों में किसान बिक्री के लिए अपने अनाज लेकर आयेगाघ् साथ ही एग्रीकल्चर प्राइसेज कमीशन का गठन भी किया गया, जिसे किसानों के अनाज का न्यूनतम मूल्य तय करने की जिम्मेदारी सौंपी गयीघ् तय हुआ कि एपीएमसी मंडी में किसान अपने उत्पाद लेकर आयेगा और पहले उसके उत्पाद को प्राइवेट ट्रेड खरीदेगी। जब प्राइवेट ट्रेड एमएसपी के तहत निर्धारित दाम नहीं देगी, तब सरकार एमएसपी के तहत उत्पाद खरीदेगी, सरकार के ऐसा करने का उद्देश्य था कि एमएसपी से किसानों को इतनी प्रोत्साहन राशि मिल जाये, जिससे वह अगले वर्ष उसी फसल को फिर से पैदा कर सकेघ् क्योंकि, जब भी कटाई का मौसम आता है, तो मूल्यों में गिरावट आ जाती है, मूल्यों के कम हो जाने के बाद किसानों के पास कोई प्रोत्साहन राशि नहीं बचती कि वह अगले वर्ष फिर से उस फसल को उगा सकेघ् इसके बाद अनाज उत्पादन के मामले में भारत आत्मनिर्भर हो गया, समय के साथ देशभर में ऐसी 7,000 मंडियां बनीं,इन्हीं 7,000 मंडियों में आज दो फसलों, गेहूं और धान की सरकारी खरीद होती है,हालांकि, अब मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र में भी थोड़ी संख्या में ये मंडियां बनी हैं, इन मंडियों के नेटवर्क पर इतने वर्षों में पंजाब, हरियाणा में काफी निवेश हुआ है, मंडियां बनने के साथ ही यहां इन्हें गांवों से जोड़ने के लिए सड़कें भी बनी है। इन मंडियों का अधिकतर नेटवर्क पंजाब और हरियाणा में हैघ् गेहूं और धान में पंजाब और हरियाणा को इन मंडियों से एक निश्चित राशि मिलती है, सरकार अब जो नये प्रावधान लेकर आयी है, उसमें मंडियों के ऊपर निर्भरता कम हो जायेगी तथा बाजार को और मजबूती मिलेगी, इसका पहला प्रावधान एक देश, एक बाजार की बात करता है, यानी आप कहीं भी बिक्री-खरीद कर सकते हैं। दूसरा, एपीएमसी मंडी के बाहर आपको कोई कर नहीं देना होगा, जब बाजार खोल दिये गये, तो मंडी से बाहर खरीद होगी, फिर कोई भी मंडी के भीतर कर नहीं देना चाहेगा, इससे मंडियों के रख-रखाव के लिए पैसे की कमी हो जायेगी और धीरे-धीरे वे खत्म हो जायेंगी, दूसरा प्रावधान कहता है कि अभी गेहूं, धान, दाल, आलू, प्याज, खाद्य तेल आदि का जिस तय सीमा के भीतर भंडारण होता है, वह खत्म हो जायेगी, एक तरह से देखें, तो यह काम भी बड़ी कंपनियां ही कर सकती हैं, छोटे किसान तो कर नहीं सकतेघ् तीसरे प्रावधान में अनुबंध के आधार पर खेती की बात हैघ् इसमें कहा गया है कि पहले से दाम तय होगा और आप पांच वर्ष का अनुबंध कर सकते हैंध् यह काम भी निजी कंपनियां ही करेंगी, कुल मिलाकर कृषि के व्यवसायीकरण का रास्ता सरकार ने खोल दिया है, वर्ष 2014 में बनी शांता कुमार कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि देश में मात्र छह प्रतिशत किसानों को एमएसपी मिलती है और 94 प्रतिशत किसान बाजार पर निर्भर है,यदि बाजार इतना सक्षम होता, तो देश में कृषि संकट इतना गंभीर नहीं होताघ् हाल ही में आये एक अध्ययन में कहा गया है कि 2000-2016 के बीच किसानों को पैंतालीस लाख करोड़ रुपये की हानि हुई है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2011-12 और 2015-16 के बीच किसानों की वास्तविक आय में प्रति वर्ष आधे प्रतिशत से भी कम की वृद्धि हुई है। यानी, बीते 20 वर्षों में खेती घाटे का सौदा रही और किसानों की स्थिति दयनीय बनी रही। किसान इसीलिए रोष में हैं, पंजाब, हरियाणा में इसलिए प्रदर्शन हो रहा है क्योंकि गेहूं, धान की अधिकतर खरीद पंजाब और हरियाणा में होती हैघ् इन दोनों राज्यों में प्रतिवर्ष करीब अस्सी हजार करोड़ रुपये किसानों को गेहूं, धान की एमएसपी से प्राप्त होता हैघ् उनको डर है कि एपीएमसी मंडियां खत्म होने से धीरे-धीरे एमएसपी भी खत्म हो जायेगी, और वे बाजार के हवाले हो जायेंगेघ् किसानों की मांग है कि एक ऐसा कानून बन जाए, जहां एमएसपी से नीचे खरीद ही न हो, 23 फसलों पर जब एमएसपी की घोषणा होती है, तो क्यों न 23 के 23 फसलों की खरीद भी एमएसपी पर ही हो। इसी तरह अनुबंध के आधार पर खेती का जो प्रावधान है, उसमें पहले जो कीमत तय होगी, वह एमएसपी से ज्यादा हो,चौथा अध्यादेश लाकर किसानों की इन मांगों को कृषि विधेयक में शामिल करने की जरूरत है, हमारे पास 7,000 मंडियां हैं, हमें देश में यदि पांच किलोमीटर की सीमा में किसानों को मंडियां देनी हैं, तो 42,000 मंडियों की जरूरत हैघ् एपीएमसी मंडियों के भीतर जो त्रुटियां आ गयी हैं, उसे दूर किया जाए तभी प्रधानमंत्री के सपने सबका साथ, सबका विकास की तरफ हम बढ़ेंगे।

गांधी की तरह ही हमें किसानों के साथ खड़ा होना चाहिए

राज्यसभा द्वारा रविवार को तीन कृषि विधेयकों पर लगी मुहर से भारत के करोड़ों किसानों में बेचैनी है। सरकारी दावा तो यह है कि अपने उत्पादों को मंडियों के बाहर बेचने से उत्पादकों का सशक्तिकरण होगाय परन्तु इन विधेयकों का डिजाईन ऐसा है जो अंततरू किसानों को निजी खरीदारों का गुलाम बनाएगा। भारत सरकार का यह रुख और कदम देश के करोड़ों कृषकों के सीधे खिलाफ है। सरकार कहती है कि इनसे कृषक सम्पन्न होंगे, लेकिन स्वयं किसान, कृषि विशेषज्ञ और जानकार इन्हें विनाशकारी बता रहे हैं। लोगों का स्पष्ट मत है कि केन्द्र सरकार इसके जरिये कारपोरेट जगत को फायदा कराएगी। केन्द्र सरकार का रवैया वैसा ही है जिस प्रकार से अंग्रेजों का हुआ करता था। ये फैसले लेने के लिये केन्द्र सरकार ने न तो राजनैतिक दलों से विचार-विमर्श किया, न ही किसान संगठनों से। राज्यसभा में उसने इसे पारित करने के लिये मत विभाजन भी नहीं कराया, जिसकी कई विपक्षी दल मांग कर रहे थे। इसके जरिये नरेन्द्र मोदी सरकार ने साबित कर दिया कि वह खेती के कारपोरेटरीकरण में विश्वास रखती है और अब जनता तथा किसानों के समक्ष साफ हो गया है कि आजादी के पहले किसानों को जिस तरह से अपनी मुक्ति के लिये लड़ाइयां लड़नी पड़ी थीं, संघर्ष का वैसा ही समय फिर आ गया है।

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद किये अपने भारत भ्रमण में गांधीजी ने गांवों और उनमें रहने वालों का जीवन नजदीक से देखा था। उनकी दरिद्रता से वे व्यथित होते थे। कोलकोता की झुग्गी बस्तियों में उन्होंने उन किसानों की दुर्दशा को देखा था जो उनकी जमीनें बिक जाने के बाद वहां की जूट मिलों में मजदूर बन गये थे। फीनिक्स और टॉल्सटॉय फार्मों पर वे किसानों की तरह न केवल खुद काम करते थे वरन सभी रहने वालों के लिये काम करने की अनिवार्यता थी। यह आत्मनिर्भर गांवों की उनकी सोच की शुरुआत थी जिसके केन्द्र में कृषि ही थी। वे कहते थे कि गांवों को किसी की ओर ताकने की जरूरत नहीं होनी चाहिये। असहयोग आंदोलन के दौरान गांधीजी ने किसानों की ताकत को पहली बार आजमाया था जिसमें ग्रामीण-कृषक खरे उतरे थे। 1920 में जब गांधी ने देश में अपना यह पहला बड़ा देशव्यापी आंदोलन छेड़ा था तो पढ़े-लिखे नागरिकों के साथ ही देश के लाखों किसान उनके साथ हो लिये थे। अंग्रेजों की शोषक नीतियों और दमनकारी कार्यक्रमों के चलते किसानों ने गांधीजी का नेतृत्व इसलिये भी स्वीकार किया था क्योंकि उन्होंने स्वयं ही गरीब किसान का पहरावा और जीवन शैली अपनाई हुई थी। वे उनसे एकाकार हो गये थे। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भी देश भर के लाखों किसानों ने महात्माजी के आह्वान पर अहिंसक आंदोलन में अंग्रेजों की लाठियों-गोलियों का बहादुरी से सामना किया था। अंग्रेजी शासन काल में देश भर में चले अनेक किसान सत्याग्रहों और आंदोलनों का गांधी ने नेतृत्व किया था अथवा सहयोग व मार्गदर्शन दिया था। बिहार के चम्पारण में उनका पहला ऐसा किसान आंदोलन (1917) था, जिसमें वे भारत के राजनैतिक अंतरिक्ष में सुपरस्टार बनकर उभरे थे। अंग्रेजों द्वारा जबरिया नील की खेती कराये जाने से तबाह हो चुके किसानों के आग्रह पर गांधीजी वहां गये थे।

अंग्रेजों ने उन्हें चम्पारण और मोतीहारी जिलों में न घुसने और लौट जाने का फरमान सुनाया था जिसे उन्होंने इंकार कर दिया। उन्हें सजा तो सुनाई गई थी पर बाद में छोड़ दिया गया था। गुजरात के खेड़ा जिले में फसल बुरी तरह से बर्बाद हो चुकी थी- चौथाई भी नहीं हुई थी परन्तु अंग्रेज अधिकारी लगान छोड़ने को तैयार नहीं थे। मेड़ता बंधु (कल्याणजी एवं कुंवरजी) इसके खिलाफ1918 में आंदोलन चला रहे थे। गांधीजी ने उनकी मदद हेतु वल्लभभाई पटेल को भेजा जो अपनी चलती वकालत को त्यागकर गये। उन्होंने गांव-गांव घूमकर प्रतिज्ञापत्र पर हस्ताक्षर कराये, फिर भी अनेक किसानों की जमीनें कुर्क कर ली गई। गांधी ने किसानों से अपने जब्त किये गये खेतों से फसलें काट लेने को कहा। सबसे पहले मोहनलाल पंड्या ने अपनी प्याज की फसल काट ली। इसका अनुसरण कई ग्रामीणों ने किया जिसके कारण अनेक किसान गिरफ्तार हो गये परन्तु वे नहीं झुके। अंततरू लगान वसूली बंद की गई और किसानों की जीत हुई। गुजरात के ही बारडोली में 1928 को वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में किसान सत्याग्रह चला था क्योंकि यहां लगान को 22 फीसदी बढ़ा दिया गया था। आंदोलन को कुचलने की बहुतेरी कोशिश हुई पर किसान नहीं झुके। आखिरकार ब्रूमफील्ड एवं मैक्सवेल की सदस्यता वाली एक न्यायिक कमेटी ने बढ़ोतरी को गलत मानते हुए इसे घटाकर 6.03 प्रतिशत किया। किसान जीते और वल्लभभाई सरदार बने। छत्तीसगढ़ के रायपुर से 70 किलोमीटर दूर धमतरी जिले के कंडेल में 1920 में किसानों ने पं. सुंदरलाल शर्मा, नारायणराव मेघावाले और बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में नहर सत्याग्रह चलाया था। गांधीजी ने वहां पहुंचकर उन्हें अपना समर्थन दिया था। यह आंदोलन सिंचाई कर को लेकर हुआ था। उत्तरी प्रांत के हरदोई, बहराईच और सीतापुर में लगान बढ़ोतरी के खिलाफ श्एका आंदोलनश् (1919) को सहयोग देने जवाहरलाल नेहरू को बापू द्वारा भेजा गया था। केरल के मालाबार क्षेत्र में मोपला के किसानों ने सत्याग्रह (1920) किया था, जिसे बापू के अलावा शौकत अली और मौलाना अबुल कलाम आजाद का समर्थन व मार्गदर्शन प्राप्त था। किसान बापू की चिंता के हमेशा केन्द्र में रहे हैं। इसीलिये स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राजनैतिक संघर्ष के समांतर उन्होंने किसानों के लिये देश भर में अनेक लड़ाइयां लड़ी थीं। अगर वे उनकी अगुवाई करने और उन्हें समर्थन देने के लिये दौड़कर जाते थे तो उसका कारण था उनके आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक विमर्शों के केन्द्र में किसानों की मौजूदगी। वे एक खुशहाल और सम्पन्न ग्रामीण जीवन के पक्षधर थे। वे जानते थे कि समृद्ध ग्राम ही जैविक सामाजिक ताने-बाने को बनाये रख सकते हैं। तभी वे राजनैतिक रूप से ताकतवर भी होंगे और भारतीय संस्कृति को बचाये रखेंगे। किसानों की आत्मनिर्भरता बापू का मूल मंत्र था लेकिन विरोधाभास यह है कि हालिया कृषि विधेयक उत्पादकों को पूर्णतः शहरों का गुलाम बना देगी। अपनी फसलों को लेकर किसानों को न जाने कितने किलोमीटर दूर उन जगहों पर जाना होगा जहां कार्पोरेट्स उन्हें खरीदेंगे।केन्द्र सरकार द्वारा लाये गये विधेयकों के अध्ययन से साफ हो चला है कि यह पूरी योजना महात्मा गांधी की कृषि और किसानों के विकास की अवधारणा से एकदम विपरीत है। पहले से ही औद्योगीकरण व शहरीकरण से कृषि रकबों में कमी आती जा रही है, वहीं रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, महंगी होती मजदूरी, महंगे डीजल आदि से खेती पर लागत बढ़ती जा रही है। ऐसे में वे धीरे-धीरे इस पेशे से ही बाहर होते जायेंगे और कृषि पर भी कारपोरेट का कब्जा हो जायेगा।

अन्नदाताओं के हितों की रक्षा जरूरी

चौधरी चरण सिंह ने 1978 में एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान मुझसे कहा-तुम कोट-टाई वाले पत्रकार खेती और किसानों के बारे में कुछ नहीं जानते और उनकी समस्याएं नहीं समझ सकते. उन दिनों वे उप-प्रधानमंत्री थे. मैंने कहा कि चौधरी साहब, आप किसानों के असली और सबसे बड़े नेता हैं, आपको खुश होना चाहिए कि खेती-किसानी वाले आर्य समाजी दादाजी का पोता कोट-पैंट पहनकर आपके साथ बैठकर बात कर रहा है. बचपन में गन्ने, संतरे, गेहूं, आम की फसल के साथ बैलगाड़ी में बैठकर मंडी तक जाने का मैंने भी आनंद लिया है. उस समय शिक्षक पिता की जिम्मेदारियों के थोड़े-बहुत कष्ट भी देखे हैं, इसलिए आप किसानों के बारे में जो कुछ कहेंगे, मैं उसे पूरा 'साप्ताहिक हिंदुस्तान' में लिखूंगा-छापूंगा. इस तरह चौधरी साहब, देवीलाल जैसे कई नेताओं से बातचीत करने और किसानों के मुद्दों पर लिखने का अनुभव रहा है.श् इसलिए, इन दिनों किसानों की फसल की अधिकाधिक कीमत मिलने और कहीं भी किसी को बेच सकने के लिए संसद में नया कानूनी प्रावधान होने पर हंगामे को देख-सुनकर थोड़ी तकलीफ हो रही है. दावे, समर्थन, विरोध के बीच यह भी मुद्दा है कि किसानों के हितों की रक्षा करनेवाला असली नेता कौन है? देश के हर भाग में खेती-बाड़ी और किसानों की चुनौतियां तथा सफलताएं भी हैं. भारतीय खाद्य निगम द्वारा 1973-74 में अनाज के भंडारण के लिए हरियाणा से शुरू किये गये सेलो गोदामों के प्रयोग से लेकर अब तक सही भंडारण, सही दाम, मंडियों में तोलने में गड़बड़ी, भुगतान में हेरा-फेरी और देरी तथा मंडियों से नेताओं की राजनीति को लोग जानते रहे हैं. कई वर्षों से केवल भाजपा पार्टी ही नहीं, कांग्रेस, समाजवादी, जनता दल अपने घोषणा-पत्रों में बिचौलियों से मुक्ति, अधिक दाम, फसल बीमा और हर संभव सहयोग के वायदे करती रही हैं. संसद में विधेयक लाने के लिए विभिन्न दलों के नेताओं की संयुक्त समिति में भी उस पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ है. इसके बावजूद विरोध के नाम पर ऐसा हंगामा हो रहा है, मानो किसानों पर विदेशी हमला हो गया है. स्वास्थ्य का मुद्दा हो या खेती-किसानी का, समय के साथ सुधार करने होते हैं. इसलिए मोदी सरकार द्वारा अनाज की खुली बिक्री-खरीदी, अधिकतम मूल्यों के प्रावधान के लिए पहले अध्यादेश और अब संसद से स्वीकृति के बाद आनेवाले महीनों में भी कुछ सुधारों की आवश्यकता हो सकती है. पंजाब, हरियाणा की राजनीति और बड़ी संख्या में बिचौलियों के धंधे पर जरूर असर होनेवाला है, लेकिन अधिकांश राज्यों के किसानों को अंततोगत्वा बड़ा लाभ होनेवाला है. प्रधानमंत्री मोदी और कृषिमंत्री नरेंद्र तोमर ने स्पष्ट घोषणा कर दी है कि सरकार द्वारा न्यूनतम मूल्यों पर खरीद निरंतर होती रहेगी. खाद्य निगम गेहूं और धान तथा नेफेड दलहन व तिलहन की खरीद करते रहेंगे. किसान केवल सरकारों पर ही निर्भर क्यों रहे? वह इलाके की मंडी की मेहरबानी पर क्यों रहे? वह अपनी फसल का मनचाहा दाम क्यों न लें. मुझे वर्षों पहले पिताजी द्वारा दिल्ली आते समय उज्जैन से मालवी गेहूं की बोरी लाने पर रेलगाड़ी में कभी रेल कर्मचारी या रेलवे पुलिस द्वारा बोरी में कितने किलो गेहूं और कहां, क्यों ले जाने के, सवालों की याद आयी. उन दिनों यह गेहूं दिल्ली तक मुश्किल से आता था. मतलब, हम अपने घर का अनाज लाने में भी परेशान हो जाते थे. विरोध में हमारे नेता चिंता जता रहे हैं कि किसानों के साथ अनुबंध करनेवाले बड़े व्यापारी या कंपनियां ठग लेंगी. संभव है कि शुरू में अधिक कीमत दें और बाद में कीमत कम देने लगें. लेकिन, वे भूल जाते हैं कि अब किसान और दूर-दराज के परिवार संचार माध्यमों से बहुत समझदार हो गये हैं. वे बैंक खाते, फसल बीमा, खाद, बीज और दुनियाभर से भारत आ रहे तिलहन, प्याज, सब्जी-फल का हिसाब-किताब भी देख-समझ रहे हैं. भंडारण-बिक्री की व्यवस्था होने पर वे अधिक लाभ उठाने लगेंगे. फिर

दलालों, बिचौलियों और ठगों से बचाने के लिए सत्तारूढ़ नेता ही क्यों, प्रतिपक्ष के नेता, कार्यकर्ता, पुलिस, अदालत, मीडिया क्या सहयोग नहीं कर सकता? अन्नदाताओं के सम्मान और हितों की रक्षा की जिम्मेदारी समाज के हर वर्ग की है. कई नेता फोटो खिंचवाने और विज्ञापनों के लिए ट्रैक्टर पर बैठते रहे हैं. फिल्मों में भी ट्रैक्टर, बैलगाड़ी, खेत-खलिहान के लिए नायक, नायिका अच्छे दृश्य फिल्मा लेते हैं. लेकिन उन्हें जमीनी समस्याओं का अंदाज नहीं होता. मनमोहन सिंह ने 1992 में बजट पेश करने के अगले दिन इंटरव्यू के दौरान मुझसे कहा था कि नयी आर्थिक नीतियों से देश के किसानों या व्यापारियों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला करना होगा. लेकिन, उनके या कई प्रधानमंत्रियों के सत्ताकाल में किसानों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुकाबले लायक बनाने के प्रयास नहीं हुए. उनके सत्ताकाल में विदेशी हमारे पानी को कौड़ियों के दाम या मुफ्त लेकर अरबों रुपयों की कमाई करते रहे हैं. यशवंत सिन्हा या पी चिदंबरम ने वित्तमंत्री रहते कौन से लाभ दिये? किसानों के नाम पर राजनीति करनेवाले एक बड़े नेता अब दुनिया में नहीं रहे, इसलिए नाम नहीं लिख रहा, लेकिन उन्होंने न केवल कृषि उपकरणों, ट्रैक्टर आदि की सरकारी खरीदी के अलावा सैकड़ों एकड़ जमीन पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कब्जाई और असली खेती करनेवालों का शोषण भी किया. चौधरी चरण सिंह की पारिवारिक रियासत वाले अजीत सिंह या गरीब किसानों को गाय-बैल बांटने के नाम पर करोड़ों का चारा घोटाला में सजायाफ्ता लालू प्रसाद आखिरकार उन्हीं किसानों के कोपभाजन के कारण सत्ता से बाहर हैं. इसे दुर्भाग्य कहा जायेगा कि अल्पसंख्यकों, किसानों, मजदूरों के असली नेता कहे जानेवाले समाजसेवी व्यक्ति देश में नहीं दिखायी दे रहे हैं. केवल भाषण, टीवी चौनल और फेसबुक वाले पांच सितारा शैली के लोग किसानों के नाम पर विरोध कर रहे हैं. यदि सर्वमान्य नेता होते तो चौधरी चरण सिंह या टिकैत की तरह समर्थन या विरोध में लाखों की भीड़ जुटा देते. बहरहाल, अब आशा करनी चाहिए कि पश्चिमी देशों की तरह किसान अपने उत्पादन, मेहनत, सम्मान के साथ आत्म निर्भर बनेंगे. अनावश्यक आंदोलनों में अपना समय क्यों बर्बाद करें.

सार समाचार .....

रॉयल्स की चेन्नई के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी जीत

मुंबई। आईपीएल के 13वें सीजन के चौथे मैच में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 16 रन से हरा दिया। यूएई के शारजाह में खेले गए मैच में रॉयल्स ने 217 रन का टारगेट दिया था। इसके जवाब में चेन्नई 6 विकेट गंवाकर 200 रन ही बना सकी। आईपीएल में रॉयल्स की चेन्नई के खिलाफ यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 28 मार्च 2010 को अहमदाबाद में 17 रन से शिकस्त दी थी। मैच का स्कोरकार्ड देखने के लिए यहां क्लिक करें... रॉयल्स की जीत के हीरो संजू सैमसन और स्पिनर राहुल तेवतिया रहे। सैमसन ने 32 बॉल पर 74 रन की पारी खेली थी। वहीं, तेवतिया ने चेन्नई के तीन खिलाड़ियों को आउट किया।

तेवतिया के 3 विकेट रहे टर्निंग पॉइंट

लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई को शेन वॉट्सन (33) और मुरली विजय (21) ने मजबूत शुरुआत दी, लेकिन 7वें ओवर में खेल बिगड़ गया। स्पिनर राहुल तेवतिया ने अपने पहले ओवर में वॉट्सन को आउट किया। फिर दूसरे ओवर की आखिरी दो बॉल पर सैम करन (17) और रितुराज गायकवाड़ को बिना खाता खोले आउट कर मैच पलट दिया।

यूएई में आईपीएल का सबसे बड़ा टारगेट

रॉयल्स ने 7 विकेट गंवाकर 216 रन बनाए थे, जो यूएई में आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले 18 अप्रैल 2014 को किंग्स इलेवन पंजाब ने चेन्नई के खिलाफ ही 206 रन बनाए थे। रॉयल्स के कप्तान स्टीव स्मिथ ने 69 रन की पारी खेली। स्मिथ ने लीग की 9वीं और संजू सैमसन ने अपनी 11वीं फिफ्टी लगाई। सैमसन 19 बॉल पर फिफ्टी लगाने वाले 8वें प्लेयर भी बने।

पहली पारी का आखिरी ओवर भी टर्निंग पॉइंट रहा, आर्चर ने 27 रन बनाए थे

आखिर में 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जोफ्रा आर्चर ने 8 बॉल पर 27 रन की धमाकेदार पारी खेली। उन्होंने पारी और लुंगी एनगिडी के आखिरी ओवर में 30 रन लिए। इसमें आर्चर ने 4 छक्के लगाए। यह भी मैच का टर्निंग पॉइंट रहा। इन पारी की बदौलत रॉयल्स ने 7 विकेट गंवाकर 216 रन बनाए। यदि आखिरी ओवर इतना महंगा नहीं होता, तो मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था। चेन्नई के लिए सैम करन ने 3 विकेट लिए, जबकि दीपक चाहर, एनगिडी और पीयूष चावला को 1-1 विकेट मिला। मैच में एक समय धोनी फिर अपना आपा खोते हुए अंपायर से बहस करते नजर आए। पहली पारी में 18वें ओवर की 5वीं बॉल बल्लेबाज टॉम करन के बैट से लगकर विकेटकीपर धोनी के हाथों में पहुंची थी। धोनी की अपील पर सी शमशुद्दीन अंपायर ने करन को कैच आउट करार दिया। करन को शक हुआ कि धोनी ने सही से कैच नहीं लिया है, लेकिन टीम के पास डीआरएस के मौके पहले ही खत्म हो चुके थे। ऐसे में ऐसे में करन ने अंपायर से जाकर बात की।

इसके बाद शमशुद्दीन ने लेग अंपायर विनीत कुलकर्णी से बात की, लेकिन धोनी ने कैच सही से पकड़ा या नहीं, यह क्लियर नहीं हो सका। तब थर्ड अंपायर को यह मामला रेफर किया गया। टीवी पर देखने से पता चला कि धोनी ने जमीन से बॉल लगने के बाद कैच किया था। ऐसे में करन को नॉटआउट दिया गया। इस पर धोनी फील्ड अंपायर के पास गए और उनसे बहस करते नजर आए।

सस्ते और महंगे प्लेयर्स का परफॉर्मेंस

सीएसके में कप्तान धोनी 15 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्होंने 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 17 बॉल पर 29 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। दूसरे नंबर पर केदार जाधव (7.80 करोड़ रुपए) रहे। वे सिर्फ 22 रन ही बना सके। टीम में 20 लाख रुपए कीमत के साथ रितुराज सबसे सस्ते प्लेयर रहे, लेकिन वे एक बॉल खेलकर बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। वहीं, रॉयल्स टीम में स्मिथ 12.50 करोड़ और संजू सैमसन 8 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर रहे। इन दोनों ने ही मैच जिताऊ पारी खेली। सैमसन ने 74 और स्मिथ ने 69 रन बनाए। टीम में श्रेयस गोपाल और रैयान पराग दोनों 20-20 लाख रुपए कीमत के साथ सबसे सस्ते प्लेयर खेले। गोपाल ने 4 ओवर में 38 रन देकर 1 विकेट लिया। जबकि पराग 6 ही रन बना सके।

सिर में चोट के बाद स्मिथ की वापसी

वहीं, रॉयल्स का इस सीजन में यह पहला मैच था। इसमें टीम अपने रेग्युलर कप्तान स्टीव स्मिथ के साथ उतरी। इसी महीने स्मिथ प्रैक्टिस के दौरान सिर में बॉल लगने से चोटिल हो गए थे। इस कारण वे इंग्लैंड में वनडे सीरीज भी नहीं खेल सके थे।

बटलर और स्टोक्स मैच में नहीं खेले

राजस्थान रॉयल्स के की-प्लेयर इंग्लैंड के बेन स्टोक्स और जोस बटलर पहले मैच में नहीं खेले। बटलर बायो-सिक्योर माहौल से हटकर परिवार के साथ यूएई पहुंचे थे। इस कारण वे 6 दिन क्वारैंटाइन में बिताएंगे। वहीं, स्टोक्स के पिता को ब्रेन कैंसर है। इस कारण वे उनका इलाज कराने के लिए क्राइस्टचर्च में हैं।

अबु धाबी में मुंबई ने 2 मैच खेले, दोनों में हार मिली 2014 में कोलकाता ने शिकस्त दी

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 5वां मैच कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच आज अबु धाबी में खेला जाएगा। इस मैदान पर मुंबई अब तक दो मैच खेल चुकी और दोनों में उसे हार ही मिली है। यहां टीम ने इस सीजन का ओपनिंग मैच खेला था, जिसमें चेन्नई सुपरकिंग्स ने 5 विकेट से शिकस्त दी थी। इससे पहले 2014 में केकेआर ने ही 41 रन से हराया था। यूएई में मुंबई का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। लोकसभा चुनाव के कारण 2014 में आईपीएल के शुरुआती 20 मैच यूएई में हुए थे। तब मुंबई ने यहां 5 मैच खेले और सभी में उसे हार मिली थी। वहीं, यूएई में केकेआर ने 5 में से 2 मैच जीते और 3 हारे हैं। अबु धाबी में केकेआर ने 3 मुकाबले खेले, जिनमें 2 में जीत और 1 में हार मिली।

मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 और कोलकाता ने 2 बार खिताब जीते आईपीएल इतिहास में मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार (2019, 2017, 2015, 2013) खिताब जीता है। पिछली बार उसने फाइनल में चेन्नई को 1 रन से हराया था। मुंबई ने अब तक 5 बार फाइनल खेला है। वहीं, कोलकाता ने अब तक दो बार फाइनल (2014, 2012) खेला और दोनों बार चैम्पियन रही है।

आईपीएल में मुंबई का सक्सेस रेट 57.44त्न, यह केकेआर से ज्यादा

लीग में मुंबई इंडियंस 188 में से 109 मैच जीत के साथ टॉप पर काबिज है। टीम का सक्सेस रेट 57.44त्न है। मुंबई ने अब तक 79 मैच ही हारे हैं। वहीं, केकेआर ने अब तक 178 में से 92 मैच जीते और 86 मुकाबले हारे हैं। टीम का सक्सेस रेट 52.52त्न रहा है।

पिच और मौसम रिपोर्ट- अबु धाबी में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 29 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। शेख जायद स्टेडियम में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद करेगी। यहां हुए पिछले 45 टी-20 में पहले गेंदबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 56.8 प्रतिशत रहा है। मुंबई और केकेआर के बीच अब तक 25 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें मुंबई ने सबसे ज्यादा 19 मैच जीते, जबकि 6 में उसे हार मिली है। 1 मुकाबला बेनतीजा रहा। पिछले 10 मुकाबलों की बात करें, तो केकेआर सिर्फ एक ही बार मुंबई को हरा सकी है। मुंबई की टीम यदि यह मैच जीत लेती है तो एक टीम के खिलाफ 20+ मैच जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी।

केकेआर के लिए कार्तिक, रसेल और नरेन की-प्लेयर्स कोलकाता को ऑफ स्पिनर और ओपनर बल्लेबाज सुनील नरेन के अलावा आंद्रे रसेल से सबसे ज्यादा उम्मीदें होंगी। हालांकि पिछले दिनों सीपीएल में रसेल ज्यादा गेंदबाजी करते नहीं दिखे। 2019 सीजन में रसेल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 52 छक्के लगाए थे। आईपीएल में रसेल का सबसे ज्यादा 186.41 का स्ट्राइक रेट भी रहा है।

आईपीएल के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी पैट कमिंस से केकेआर को उम्मीदें

केकेआर दिनेश कार्तिक की कप्तानी में इस सीजन का पहला मैच जीतना चाहेगी। टीम में आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी प्लेयर पैट कमिंस भी हैं। केकेआर ने इस ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज को 15.50 करोड़ में खरीदा है। इस कारण फ्रेंचाइजी को इनसे भी पूरी उम्मीदें होंगी। मुंबई में कप्तान रोहित शर्मा 15 करोड़ रुपए के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी रहेंगे। मुंबई को इस सीजन की पहली जीत दिलाने का दारोमदार रोहित, हार्दिक और पोलार्ड पर मुंबई को सीजन की पहली जीत दिलाने का दारोमदार कप्तान रोहित शर्मा के अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और कीरोन पोलार्ड पर रहेगा। सूर्यकुमार यादव और सौरभ तिवारी मिडिल ऑर्डर में फिर नजर आ सकते हैं। वहीं, बॉलिंग डिपार्टमेंट जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ड और जेम्स पैटिंसन पर निर्भर रहेगा।

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 45
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 19
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 26
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 137
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 128
- केकेआर मुंबई के खिलाफ पिछले 10 में से एक ही मैच जीत सकी

रायल चैलेंजर्स बंगलूर के कप्तान विराट कोहली बोले

दुबई **एजेंसी।** रायल चैलेंजर्स बंगलूर के कप्तान विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत के बाद कहा है कि टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की शानदार गेंदबाजी ने खेल का रुख बंगलूर की ओर मोड़ दिया। बंगलूर ने आईपीएल के अपने पहले मुकाबले में चहल के 18 रन पर तीन विकेट और तेज गेंदबाजों नवदीप सैनी के 25 रन पर दो विकेट तथा शिवम दुबे के 15 रन पर दो विकेट की बदौलत हैदराबाद को दस रन से हराकर आईपीएल 13 की शुरुआत जीत से की। विराट ने कहा, यह वाकई सुखद है। पिछले सत्र में नतीजा इसके उलट था। हमने इस मुकाबले में अपना संतुलन बनाए रखा, लेकिन चहल ने अपने शानदार प्रदर्शन से मैच का रुख हमारी ओर मोड़ दिया। उन्होंने इस मैच में यह दर्शाया कि अगर आप में कौशल है तो आप कभी भी विकेट चटका सकते हैं।

केकेआर-मुंबई के बीच मुकाबला बल्लेबाजों का

अबुधाबी, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच बुधवार को होने वाला इंडियन प्रीमियर लीग का मुकाबला आतिशी बल्लेबाजी की जंग भी होगा जिसमें पहले मैच में पराजय का सामना कर चुके रोहित के रणबांकुरे जीत की राह पर लौटने को बेताब होंगे। मुंबई ने 2013 से कभी भी पहला मैच नहीं जीता है। इस बार भी पहले मैच में उसे पिछली उपविजेता चेन्नई सुपर किंग्स ने हराया। मुंबई जहां जीत की राह पर लौटने की कवायद में होगी, वहीं केकेआर का इरादा जीत के साथ आगाज करने का रहेगा। दोनों टीमों में बिग हिटर्स की कमी नहीं है। शुभमन गिल का यह तीसरा आईपीएल है जो मैदान के चारों ओर छक्के लगाने के फन में माहिर हैं। वहीं 'हिटमैन' रोहित शर्मा सीमित ओवरों के क्रिकेट के शहंशाह हैं और उनके तथा शुभमन के बल्ले के कौशल बीच यह जंग देखने लायक होगी। टी20 क्रिकेट हालांकि सिर्फ बल्ले या तकनीक के कौशल तक सीमित नहीं है। इसमें दमखम की भूमिका अहम है और ऐसे में हार्दिक पंड्या और आंद्रे रसेल का मुकाबला देखने लायक होगा। फिट होकर लौटे पंड्या में सुनील नारायण और कुलदीप यादव के साथ केकेआर के सबसे महंगे खिलाड़ी पैट कमिंस का सामना करने का दम है। वहीं रसेल टी20 क्रिकेट में इस समय सबसे खतरनाक बल्लेबाज हैं। पिछले सत्र में 52 छक्के लगाने वाले रसेल ने बल्लेबाजी क्रम में उन्हें नीचे भेजने पर टीम प्रबंधन की आलोचना की थी।

आईपीएल में अंपायरिंग का स्तर बेहतर हो नेस वाडिया

नयी दिल्ली , एजेंसी। किंग्स इलेवन पंजाब के सह मालिक नेस वाडिया ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग में बीसीसीआई को अंपायरिंग का स्तर बेहतर करना चाहिये और तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल होना चाहिये। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सुपर ओवर में पंजाब की हार से पहले अहम समय पर मैदानी अंपायर नितिन मेनन ने 'शॉर्ट रन' का विवादित कॉल लिया था जबकि टीवी रिप्ले से जाहिर था कि वह रन पंजाब को मिलना चाहिये था। वाडिया ने कहा,'यह बहुत दुखद है कि तकनीक के अधिकतम इस्तेमाल के इस दौर में भी हम क्रिकेट मैच में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिये तकनीक का उस तरह इस्तेमाल नहीं कर रहे, जैसे ईपीएल या एनबीए में होता है।'

सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी की वजह अपनी फिटनेस को बताया

नई दिल्ली , एजेंसी।

शारजाह में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच खेले गए आईपीएल-13 के चौथे मैच में, शानदार पारी खेलने वाले राजस्थान के बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि, उनकी शानदार बल्लेबाजी की वजह, उनकी फिटनेस है। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट खो कर 216 रन बनाए, जवाब में धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई बीस ओवरों में 200 रन बना सकी। राजस्थान को 216 के स्कोर तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका, संजू सैमसन और कप्तान स्टीव स्मिथ ने निभाई। सैमसन ने 32 गेंद पर 74 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली और स्मिथ ने 47 गेंद पर 69 रन बनाए। स्मिथ और सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। पोस्ट मैच सेरेमनी में, मैच के हीरो रहे सैमसन ने कहा, अगर कोई भी गेंद मेरे दायरे में आई, तो मैंने उसे हिट किया, यही मेरा गेम प्लान था।

सैमसन ने कहा कि, उन्होंने अपनी फिटनेस, डाइट और ट्रेनिंग पर बहुत काम किया। सैमसन ने कहा, मेरी ट्रेनिंग और फिटनेस की वजह से मैं ताकतवर हिट लगा पा रहा हूं। मुझे लगता है कि पावर हीटिंग इस गेम की मांग है, मेरे पास पांच महीने का समय था, जिसका मैंने सही इस्तेमाल किया और अपनी फिटनेस को मजबूत किया।

मैच में बल्लेबाजी के अलावा, सैमसन ने विकेट कीपिंग करते हुए दो कैच भी पकड़े और दो बल्लेबाजों को स्टंप आउट किया। राजस्थान के पास रॉबिन उथप्पा और जोस बटलर के तौर पर विकेट कीपिंग के दो और विकल्प भी हैं।

सैमसन ने बटलर और उथप्पा पर सवाल पूछे जाने पर कहा, सभी को विकेट कीपिंग करना अच्छा लगता है, किसी को भी मैदान में दौड़ना अच्छा नहीं लगता, लेकिन यह कोच पर निर्भर करता है कि वह किसको मौका देते हैं।

आईपीएल में यह दूसरा मौका, जब एक ही मैच में रिकॉर्ड 33 छक्के लगे

आईपीएल के 13वें सीजन के चौथे मुकाबले में छक्कों की बौछार देखने को मिली। इस मैच में रॉजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स को 16 रन से शिकस्त दी। इस मुकाबले में रिकॉर्ड 33 छक्के लगे। आईपीएल में ऐसा दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 2018 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई के मैच में सबसे ज्यादा 33 सिस लगे थे।

गौतम गंभीर बोले- धोनी का सातवें नंबर पर बैटिंग करना गलत उन्हें तो टॉप ऑर्डर में आकर लीडरशिप दिखानी चाहिए थी

नई दिल्ली | एजेंसी।

टीम इंडिया के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर के मुताबिक, मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में एमएस धोनी को टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने सीएसके को 16 रनों से हरा दिया था। धोनी ने सातवें नंबर पर बैटिंग की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 216 रन बनाए। धोनी की टीम 16 रन से मैच हार गई। धोनी ने आखिरी ओवर में हिटिंग की कोशिश की। लेकिन, तब तक देर हो चुकी थी।

गंभीर ने कहा, साफ कहूं तो मुझे धोनी का सातवें नंबर पर बैटिंग करना हजम नहीं हुआ। उन्होंने रितुराज गायकवाड़ और सैम करेन को पहले भेजा। खुद सातवें नंबर पर आए। धोनी को लीडरशिप दिखानी चाहिए थी। 217 का टारगेट और धोनी नंबर सात पर! मुझे इसकी कोई वजह नजर नहीं आती।

2010 के बाद पहले बैटिंग करते हुए, राजस्थान ने चेन्नई को पहली बार हराया

धोनी ने आखिरी ओवरों में बॉलर्स को टारगेट करने की कोशिश की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। 2010 के बाद यह पहली बार हुआ कि राजस्थान ने चेन्नई को पहले बैटिंग करते हुआ हरा दिया। गंभीर ने कहा, ÷आप लास्ट ओवर की बात कर सकते हैं। धोनी ने तीन छक्के लगाए। लेकिन ये किसी काम के साबित नहीं हुए। अगर किसी दूसरे कप्तान ने ऐसा किया होता तो उसे बहुत आलोचनाओं का सामना करना पड़ता। धोनी ने खुद के सात नंबर पर बल्लेबाजी करने के फैसले का बचाव किया। कहा, मैंने बहुत समय से बैटिंग नहीं की है। कुछ अलग चीजें ट्राई करना चाहता था सैम करन को ऊपर बैटिंग कराना उसी का हिस्सा था। हमारे पास विकल्प है कि हम पुरानी स्ट्रैटेजी का इस्तेमाल करें।

अंकिता क्वालीफायर के दूसरे दौर में, रामकुमार बाहर

पेरिस , (जी.एन.एस) भारत की अंकिता रैना महिला एकल के पहले दौर के कड़े मुकाबले में मंगलवार को जोवाना जोविच को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट क्वालीफायर के दूसरे दौर में पहुंच गयी जबकि पुरुष एकल में हार के साथ रामकुमार रामनाथन का पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रा में खेलने का सपना टूट गया। रैना ने 2 घंटे 47 मिनट तक चले मुश्किल मुकाबले में सर्बिया की खिलाड़ी को 6-4 4-6 6-4 से शिकस्त दी।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच इटालियन ओपन चैंपियन

रोम , एजेंसी। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने आठवीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के डिएगो श्वामैन को हराकर इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। जोकोविच का यह 36वां मास्टर्स 1000 खिताब है और इसके साथ ही उन्होंने स्पेन के राफेल नडाल का रिकार्ड तोड़ दिया। जोकोविच ने श्वामैन को लगातार सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। जोकोविच ने मुकाबले में तीन एस लगाए, जबकि श्वार्ट्जमैन ने एक एस लगाया। इस जीत के साथ ही सर्बियाई खिलाड़ी ने नडाल के 35 मास्टर्स 1000 जीत का रिकार्ड तोड़ दिया। यह उनका पांचवां इटालियन ओपन खिताब है। जोकोविच ने इस साल 32 में से 31 मुकाबले जीते हैं। उन्होंने इस साल पांच इवेंट में से चार इवेंट जीते हैं, जिनमें आस्ट्रेलिया ओपन ग्रैंड स्लैम, दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप और वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन शामिल हैं। जोकोविच ने कहा, यह काफी अच्छा और चुनौतीपूर्ण सप्ताह था। मुझे नहीं लगता कि मैंने पूरे सप्ताह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन लेकिन मेरे ख्याल से जब भी मुझे जरुरत थी मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, चाहे वो सेमीफाइनल मुकाबला हो या फाइनल मैच।

एक नजर.....

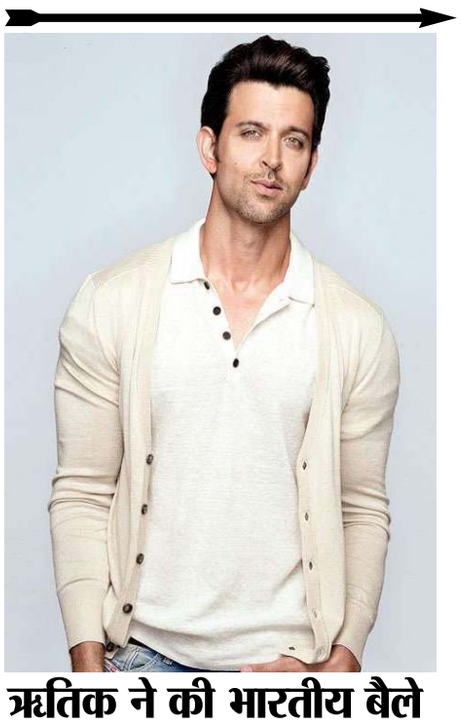

ऋतिक ने की भारतीय बैले डांसर का सपना पूरा करने में मदद

अभी कुछ दिन पहले ऋतिक की नजर एक 20 वर्षीय भारतीय बैले डांसर के लिए शुरू किए गए फंडरेजर पर पड़ी, जो अपने सपने को पूरा करना चाहता था और पलक झपकते ही ऋतिक ने उसके अधूरे सपने को हासिल करने में मदद करने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ा दिया। बैले डांसर कमल सिंह (20) दिल्ली के विकासपुरी निवासी है, जहां उनके पिता ई-रिक्शा चालक हैं। वह इंग्लैंड के लंदन में प्रतिष्ठित इंग्लिश नेशनल बैले स्कूल में प्रवेश पाने वाले पहले भारतीय डांसर हैं। लेकिन पैसों की कमी के कारण, वह अपने सपने को पूरा करने और उसे वास्तविकता में बदलने में असमर्थ थे। कमल के शिक्षक फर्नांडो गुइलेरा ने अपने इंस्टाग्राम पर ऋतिक को उनके उदार दान के लिए धन्यवाद दिया है जिसने कमल को अपना लक्ष्य प्राप्त करने के करीब पहुंचा दिया है। अगर ऋतिक के सोशल मीडिया टाइमलाइन को देखा जाए, तो वह प्रशंसनीय पोस्ट से भरा हुआ नजर आता है। चाहे वह डांस/सिंगिंग/ मिमिक्री/पेंटिंग जैसी कोई भी कला हो, वह उनके प्रोफाइल पर उनके लिए व्यक्तिगत नोट्स/लाइक्स छोडना पसंद करते हैं। इस साल की शुरूआत में, अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नर्तक युवराज सिंह के लिए प्रशंसा और प्रेरणा के संदेशों की बौछार की थी और उन्हें समुदेस्ट एयरवॉकर का नाम दिया था। ऋतिक कभी भी युवा प्रतिभाओं का समर्थन करने में कोई कसर नहीं छोड़ते है और हमेशा उन पर अपार प्रेम और प्रोत्साहन की वर्षा करते आये है। यही वजह है कि सही प्रतिभा को आगे बढने और अधिक क्षितिज हासिल करने में मदद करने के लिए, ऋतिक को असल जिंदगी का हीरो माना जाता है।

निशब्दम का ट्रेलर रिलीज़, एक भुतहा घर जो करता है आर. माधवन और अनुष्का शेट्टी का पीछा

बॉलिवुड स्टार आर. माधवन अपनी अगली फिल्म निशब्दम को लेकर काफी चर्चा में हैं। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसमें माधवन के साथ बाहुबली फेम ऐक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी भी नजर आएंगी। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।

माधवन और अनुष्का की इस फिल्म के ट्रेलर को तीन भाषाओं मलयालम, तमिल और तेलुगू में रिलीज किया गया है। हालांकि फिल्म की घोषणा के दौरान हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में भी इसके उपलब्ध होने की घोषणा की गई थी। अमेजन् प्राइम वीडियो पर निशब्दम 2 अक्टूबर को रिलीज किया जा रहा है। फिल्म की कहानी अमेरिका के सिएटल शहर में मौजूद एक हॉन्टेड हाउस की है, जहां आर. माधवन अनुष्का के साथ वहां पहुंचते हैं। वहां पहुंचते ही ऐसा लगता है कि कुछ गड़बड़ है। इस घर से जुड़ी कहानी फ्लैशबैक में चलती नजर आती है। अनुष्का साक्षी नाम की आर्टिस्ट के रोल में हैं, जो बोल नहीं पाती हैं, वह हादसे के बारे में अपने ऐक्शन से सबको बताने की कोशिश करती है। वहीं आर. माधवन फेमस संगीतकार एंथनी के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म में शालिनी पांडेय सोनाली के किरदार में हैं, जो कि साक्षी की आवाज बनती है।

निशब्दम को लेकर पिछले साल सितम्बर में घोषणा की गई थी और तब इसे पांच भाषाओं में रिलीज़ करने की बात कही गई थी। तेलुगु, तमिल, मलयालम के अलावा हिंदी और अंग्रेज़ी में भी इसके पोस्टर तैयार किए गए थे। इस फिल्म के हिंदी के पोस्टर पर देवनागरी में निशब्दम लिखा गया था।

ड्रग्स मामले में सुशांत की मैनेजर ने श्रद्धा कपूर को लेकर किया ये कबूलनामा

ड्रग एंगल की छानबीन कर रहे एनसीबी ने जांच के दायरे को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को क्वान टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी के सीईओ ध्रुव चिटगोपेकर और बॉलीवुड टैलेंट मैनेजर जया साहा से लगभग 6 घंटों तक पूछताछ की, जबकि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की मैनेजर करिश्मा प्रकाश पूछताछ के लिए नहीं गईं. सूत्रों के अनुसार जया साहा से लगातार दूसरे दिन 6 घंटों तक पूछताछ की गई, जबकि चिटगोपेकर से पहली बार पूछताछ की गई. NCB ने जब जया को उसकी चैट दिखा कर पूछताछ की तो उसने बताया कि अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के लिए उसने CBD ऑयल का इंतजाम किया था. CBD ऑयल जया ने श्रद्धा के लिए ऑनलाइन मंगवाया था.

अंकिता लोखंडे ने साड़ी में दिखाया खूबसूरत अंदाज

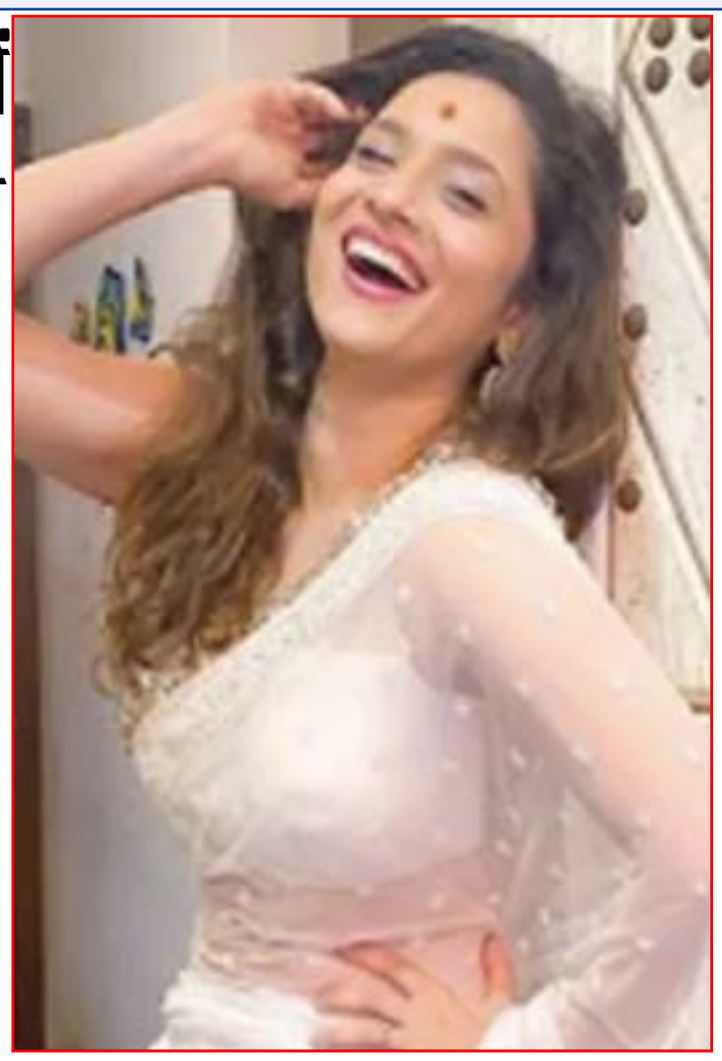

टीवी से बॉलीवुड तक अपनी राह तय करने वाली अंकिता लोखंडे इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. वह अकसर अपनी फोटो और वीडियो शेयर कर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं. अंकिता लोखंडे ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह व्हाइट साड़ी में नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में अंकिता लोखंडे का अंदाज काफी जबरदस्त लग रहा है. फोटो साझा करते हुए अंकिता लोखंडे ने खुश रहने का तरीका भी फैंस के साथ शेयर किया है. खास बात तो यह है कि कुछ ही देर पहले शेयर हुई अंकिता की इन तस्वीरों पर अब तक 1 लाख से भी ज्यादा लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं. अंकिता लोखंडे का व्हाइट साड़ी में स्टाइल काफी खूबसूरत लग रहा है. फोटो में स्माइल के साथ एक्ट्रेस का लुक और भी जबरदस्त लग रहा है. इन तस्वीरों को साझा करते हुए अंकिता लोखंडे ने लिखा, खुश कैसे रहा जाए, हर सुबह यह तय कीजिए कि आपका मूड अच्छा है. अंकिता लोखंडे की तस्वीरों पर एक्ट्रेस आरती सिंह ने कमेंट किया, और मूड खराब हो तो तेरी फोटो देख लेना. अच्छा हो जाएगा. अंकिता लोखंडे की फोटो को लेकर फैंस के साथ-साथ टीवी कलाकार भी जमकर उनकी तारीफें कर रहे हैं. बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब अंकिता लोखंडे ने अपनी पोस्ट के जरिए यूं सुर्खियां बटोरी हों।

अंकिता लोखंडे हाल ही में दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को लेकर काफी सुर्खियों में बनी हुई थीं. एक्ट्रेस ने सुशांत के न्याय के लिए भी खूब आवाजें उठाईं. वहीं, सुशांत और रिया के मामले को लेकर अंकिता लोखंडे और एक्ट्रेस शिबानी दांडेकर के बीच भी खूब बयानबाजी हुई थी. एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो आखिरी बार अंकिता लोखंडे फिल्म बागी 3 में अहम भूमिका अदा करती हुई नजर आई थीं. इस फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख, टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर ने भी मुख्य भूमिका अदा की थी।

अपने शरीर से नफरत करने लगी थीं विद्या बालन, बॉलिवुड में झेलनी पड़ी बॉडी शेमिंग

बॉलिवुड की कुछ सबसे टैलेंटेड ऐक्ट्रेसेस में विद्या बालन को गिना जाता है। उन्होंने अपने करियर में कुछ इतनी बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनके लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। विद्या बालन के बारे में माना जाता है कि वह अकेले किसी भी फिल्म को चलाने का माद्दा रखती हैं। हालांकि विद्या को न केवल अपने करियर में काफी रिजेक्शन झेलने पड़े हैं बल्कि बॉडी शेमिंग का भी सामना करना पड़ा है। बॉलिवुड फिल्मों में स्लिम ऐक्ट्रेस को अच्छा माना जाता है। एक समय ऐसा था जबकि हिरोइनों के बीच जीरो फिगर का काफी क्रेज था। ऐसे में विद्या बालन भी अपना वजन कम करने की कोशिश करने लगीं क्योंकि फिल्ममेकर्स उनके बढ़े हुए वजन पर कॉमेंट करने लगे थे। विद्या ने कहा कि एक वक्त पर उन्हें लगने लगा था कि उनकी असफलता का कारण उनका शरीर है। इसलिए लंबे वक्त तक विद्या बालन अपनी बॉडी से नफरत करने लगी थीं। विद्या का कहना है कि उन्हें लगने लगा था कि उनके जीवन की सबसे बड़ी समस्या उनका शरीर ही बन गया है। विद्या बालन ने कहा कि जब उन्होंने द डर्टी पिक्चर में काम किया और फिल्म को काफी सराहना मिली, तब उन्हें समझ आया कि सफलता का संबंध वजन या मोटे-पतले शरीर से नहीं बल्कि टैलेंट से है। विद्या ने कहा कि इसके बाद उन्हें समझ में आ गया कि शरीर के वजन नहीं बल्कि ऐक्टिंग पर फोकस किया जाना जरूरी है। विद्या बालन ने अपने करियर में कुछ बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनमें उन्होंने यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। इन फिल्मों में परिणीता, लगे रहो मुन्ना भाई, इश्किया, नो वन किल्ड जेसिका, द डर्टी पिक्चर, कहानी, बेगम जान, तुम्हारी सुलु, मिशन मंगल और शकुंतला देवी जैसी फिल्में शामिल हैं।

आयुष्मान खुराना का टाइम मैगजीन के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में आया नाम तो दीपिका पादुकोण ने यूं किया रिएक्ट

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना ने इस साल टाइम मैगजीन की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में अपनी जगह बनाई है. एक्टर आयुष्मान खुराना अपनी एक्टिंग में एक्सपेरिटमेंट करने के लिए जाने जाते हैं. फिल्म बधाई हो या फिर ड्रीम गर्ल, उनकी फिल्में काफी रोमांचक होती हैं. 36 साल के आयुष्मान खुराना की बधाई हो और अंधाधुंध जैसी फिल्मों को सूचीबद्ध किया गया है. इस लिस्ट में बोंग जून-हो, एक्टर माइकल बी जॉर्डन, फ्लेगबैग निर्माता फोबे वालर-ब्रिज और संगीतकार जेनिफर हडसन और सेलेना गोमेज़ शामिल हैं. आयुष्मान खुराना के प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में शामिल होने पर एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने उनके लिए एक लेख लिखा है. बता दें, एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का नाम 2018 में इस लिस्ट में आया था. दीपिका ने लिखा, ÷मुझे याद है कि आयुष्मान खुरानाने अपनी पहली फिल्म, विक्की डोनर में बिल्कुल हटके किरदार किया था. इससे पहले वह कई सालों तक दूसरे तरीकों से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे थे. लेकिन आज मैं और आप, जिस कारण उनके बारे में बात कर रहे हैं, वह उस प्रभाव के कारण है, जो उन्होंने अपनी यादगार फिल्मों और प्रतिष्ठित किरदारों के माध्यम से बनाया है. जहां मेल लीड अकसर रूढ़िवादी पुरुषत्व के जाल में फंस जाते हैं, वहीं, आयुष्मान खुराना ने सफलतापूर्वक और निश्चित रूप से उन किरदारों में बदल दिया है, जो इन रूढ़िवादी सोच को चुनौती देते हैं दीपिका पादुकोणने आगे कहा, भारत, जिसकी आबादी 1.3 बिलियन से अधिक है, केवल कुछ ही प्रतिशत लोग अपने सपनों को जीवित होते देख पाते हैं. और आयुष्मान खुराना उनमें से एक हैं. आप शायद सोच रहे हैं, कैसे? प्रतिभा और कड़ी मेहनत से. लेकिन अधिक महत्वपूर्ण, धैर्य, दृढ़ता और निडरता है. उन लोगों के लिए एक छोटी सी अंतर्दृष्टि जो सपने देखने की हिम्मत करते हैं।

नम्रता शिरोडकर की महेश बाबू के साथ ये रोमांटिक तस्वीर है वायरल

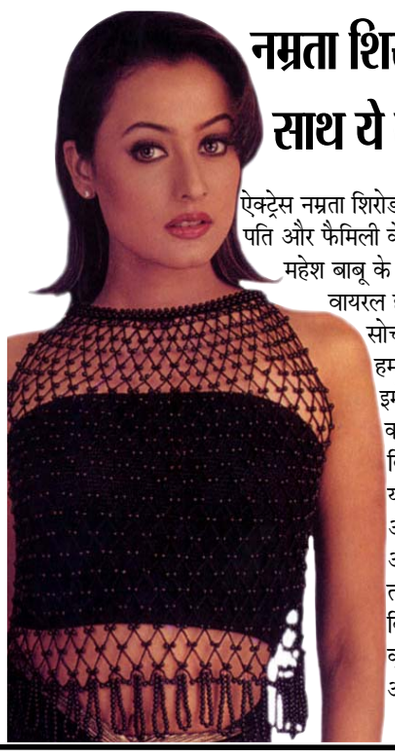

ऐक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं। वह अपने पति और फैमिली के साथ तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। रीसेंटली उन्होंने महेश बाबू के साथ तस्वीर पोस्ट की है। उनकी यह तस्वीक काफी वायरल हो रही है। नम्रता ने इस पोस्ट में लिखा है, मैं जितना सोचती हूं उतना ही इस बात पर यकीन होता जाता है कि हमारे होने का मुख्य कारण प्यार ही है। प्यार अकेला इमोशन है जो हमें खुशहाल जिंदगी देता है। दया, इम्पथी करुणा सब इसी प्यार के इमोशन से आते हैं। प्यार विकसित होने का सबसे सच्चा और ऊंचा तरीका है। यह मेरा मानना है। इसलिए प्यार करने वाले बनिए और एक-दूसरे के लिए दयालु बिए। हमारे पास जीने और देने के लिए एक ही जीवन है। नम्रता ने एक और तस्वीर पोस्ट की है। इसके साथ लिखा है, अच्छी किताब और होमपॉड के साथ आराम करने से बेहतर कुछ नहीं है। नम्रता अक्सर अपनी फैमिली की तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती हैं।

सारा अली खान को भिखारी समझ लोगों ने दिए थे पैसे, एक्ट्रेस ने खुद सुनाया किस्सा

सारा अली खान का नाम इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं. सुशांत सिंह राजपूत केस के ड्रग एंगल मामले में उनका नाम भी सामने आ रहा है. लेकिन इन खबरों से इतर सारा अली खान का एक थ्रोबैक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. वीडियो में सारा अली खान अपने बचपन से जुड़ा एक किस्सा शेयर कर रही हैं. सारा अली खान इस वीडियो में बता रही हैं कि एक बार वह सड़क किनारे डांस कर रही थीं और लोग उन्हें भिखारी समझ कर पैसे देने लगे थे और उन्होंने उसे रख भी लिया था. सारा अली खान वीडियो में कहती दिख रही हैं- एक बार वह पिता सैफ अली खान, मां अमृता सिंह और भाई इब्राहिम के साथ आउटिंग पर निकली थीं. उस दौरान पापा और मां कुछ खरीदने के लिए शॉप के अंदर चले गए. शॉप के बाहर मैं, भाई और हाउस हेल्पर के साथ खड़ी थी. मैंने अचानक डांस करना शुरू कर दिया. लोगों ने वहां पर रुककर मुझे पैसे देने शुरू कर दिए, क्योंकि उन्हें लगा कि मैं भीख मांग रही हूं. मैंने पैसे रख लिए. मुझे महसूस हुआ किया कि पैसे मिल रहे हैं कुछ भी कर लो, करते रहो. मैंने फिर और डांस किया. सारा अली खान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है. सारा अली खान के करियर की बात करें तो उन्होंने फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था. इस फिल्म में सारा बॉलीवुड के दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ नजर आई थीं. फिल्म के लिए सारा अली खान को बेस्ट डेब्यू फीमेल एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था. इसके बाद सारा अली खान सिंबा और लव आजकल में नजर आईं. एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म कुली नंबर वन में नजर आने वाली हैं. सारा इस फिल्म में वरुण धवन के साथ मुख्य भूमिका निभाती हुई नजर आएंगी. इसके अलावा एक्ट्रेस अतरंगी रे में भी नजर आएंगी।

रश्मि देसाई ने कराया बोल्ड फोटोशूट

रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें रश्मि सिर्फ ब्लेजर और पैंटसूट पहने दिख रही हैं। हर बार अपने दिलकश और बोल्ड अंदाज से चौंकाने वालीं रश्मि ने एक बार फिर फैन्स को हैरान कर दिया है। इन तस्वीरों में कमाल लग रही हैं। लेकिन कुछ यूजर्स उन्हें इस पर भी ट्रोल करने का मौका नहीं छोड़ा। रश्मि ने तस्वीरें शेयर कर इंस्टाग्राम पर लिखा, उसे एक हीरो की जरूरत थी

ब्रोकन बट ब्यूटीफुल सीजन 3 का टीजर वीडियो लॉन्च

ऑल्ट बालाजी और जी5 क्लब की बहुप्रतीक्षित प्रेम कहानी ब्रोकन बट ब्यूटीफुल सीजन 3 का टीजर वीडियो लॉन्च हो गया है। प्यार में पडने से ज्यादा, प्यार से बाहर आना अधिक शक्तिशाली है। जुनून कभी खत्म नहीं होता, यह बदल जाता है। और कभी-कभी, आप जिन चीजों को आप चाहते हैं। वह वे चीजें नहीं हैं जिनकी आपको जरूरत है ये लाइनें लोगों को खूब पसंद आ रही हैं। कटेंट क्वीन एकता कपूर के साथ-साथ ऑल्ट बालाजी और जी5 द्वारा लॉन्च किए गए टीजर वीडियो ने हम सभी के दिलों को पिघला दिया है और अब प्रशंसकों को जल्द सामने वाले स्टार कास्ट के नामों का इंतजार है। संगीतमय लोगो में आत्मा को छूने वाली कविता भी शामिल की गई है जो मुख्य जोड़ी- अगस्त्य और रूमी की जटिलताओं को दशार्ता है। यह लोगो वीडियो एक खूबसूरत मोड़ पर खत्म होता है जो काफी दिलचस्प है और इसने शो में मुख्य जोड़ी की भूमिका निभाने वाले अभिनेताओं के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया है! जब से कटेंट क्वीन एकता कपूर ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि रोमांटिक शो के तीसरे सीजन में ऑन-स्क्रीन जोड़ी विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी नहीं होंगे, शो के नए कलाकारों को लेकर काफी चर्चाएं और अटकलें लगाई जा रही है। सबसे सफल ओटीटी फ्रैंचाइजी में से एक ब्रोकन बट ब्यूटीफुल को सभी ने बेहद प्यार दिया था और आज भी रेटिंग चार्ट में उच्च स्थान पर है।

शक्ति : द पावर में श्रीदेवी के साथ काम करना सम्मान की बात : करिश्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर का कहना है कि श्रीदेवी निर्मित फिल्म शक्ति = द पावर में काम करना उनके लिये सम्मान की बात है। करिश्मा कपूर की फिल्म शक्ति = द पावर को प्रदर्शित हुये 18 साल पूरे हो गये हैं। इस फिल्म को श्रीदेवी ने प्रोड्यूस किया था, जिसमें करिश्मा कपूर के साथ संजय कपूर और नाना पाटेकर भी नजर आए थे। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी के साथ काम को याद करते हुए करिश्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया। करिश्मा ने कैप्शन देते हुए लिखा, शक्ति मेरी फेवरिट अभिनेत्री श्रीदेवी के पहले प्रोडक्शन श्रीजी में उनके साथ करना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिससे मैं काफी प्रोत्साहित हुई थी। हम शूटिंग के दौरान कैरेक्टर और लोकेशन को लेकर बातचीत करते थे, जहां मैंने उनके साथ समय बिताया।

पूरे मुंबईया मसाले से भरपूर है ईशान खट्टर-अनन्या पांडे की खाली पीली का ट्रेलर

पिछले काफी दिनों से ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की आने वाली फिल्म खाली पीली काफी चर्चा में है। टीजर और गानों के बाद फाइनली इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म टीजर और गानों को काफी पसंद किया गया है। ट्रेलर को भी फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर देखकर पता चलता है कि यह फिल्म पूरे बंबईया मसाले से भरपूर है। ट्रेलर में ईशान और अनन्या की केमिस्ट्री अच्छी नजर आ रही हैं। एक मिनट 53 सेकंड के इस ट्रेलर में ईशान और अनन्या ऐक्शन करते भी नजर आ रहे हैं। खास बात है फिल्म में जयदीप अहलावत का विलन के रूप में होना। जयदीप एक बार फिर अपने गैंग्स ऑफ वासेपुर वाले लुक में नजर आ रहे हैं। पूरी फिल्म की कहानी मुंबई की है और इसे फिल्माया भी मुंबई में ही गया है। इस फिल्म का डायरेक्शन मकबूल खान ने किया है और इसे 2 अक्टूबर को जी प्लेक्स पर ऑनलाइन रिलीज किया जाएगा।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।